हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 6 अगस्त 2026

अंबिकापुर में पकड़ाया था पहला केस

प्रतिबंध लगने के दूसरे दिन ही चोरी-छिपे भेजे गया 100 किलो पनीर अंबिकापुर में पकड़ा गया था। पनीर रायपुर बस स्टैण्ड से रवाना राजहंस ट्रैवहल्स की बस में अंबिकापुर भेजा गया था। इस पनीर के बाद रेलवे स्टेशन में सौ किलो एनालॉग पकड़ा गया। इस आशंका से इंकार नहीं किया जा रहा है कि ज्यादा मुनाफा वाले इस नकली पनीर का कारोबार भी मावा (नकली खोवा) की तरह बल्क में हो सकता है।

छत्तीसगढ़ के बाद महाराष्ट्र में कृत्रिम पनीर पर प्रतिबंध

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा मानकों के व्यापक उल्लंघन और जनस्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के मद्देनजर कृत्रिम (एनालॉग) पनीर के निर्माण एवं बिक्री पर एक वर्ष के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। सरकारी आदेश के अनुसार, नियमों का उल्लंघन करने वालों को आजीवन कारावास और 10 लाख रुपये तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। छत्तीसगढ़ के बाद महाराष्ट्र ऐसा प्रतिबंध लगाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि कई होटल, रेस्तरां, खान-पान सेवाएं और अन्य खाद्य प्रतिष्ठान पारंपरिक पनीर के स्थान पर 'एनालॉग' पनीर का उपयोग कर रहे थे।

भोपाल से पेटियों में भेजा गया छत्तीसगढ़ समेत ओडिशा में खपाने का अंदेशा

ट्रेन से पहुंची 500 किलो पनीर की खेप, एनालॉग के शक पर पकड़ा, पर कारोबारी कौन, पता नहीं!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रतिबंध के बाद एनालॉग पनीर की स्मलिंग जोर पकड़ने लगा है। बुधवार को अमरकंटक एक्सप्रेस से उतारी गई करीब 500 किलो पनीर की बड़ी खेप पकड़ी गई। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि पनीर भोपाल में पैक कर छत्तीसगढ़ और ओडिशा में खपाने के लिए भेजा गया था। सुबह 10 बजे रेलवे स्टेशन पहुंचे इस पनीर की सैंपलिंग सहित अन्य कार्रवाई के लिए करीब चार घंटे तक खाद्य एवं औषधि प्रशासन और रेलवे के फूड ऑफिसर एक दूसरे ▶▶|शेष पेज 6 पर

सैंपलिंग और कार्रवाई पर घंटों मुंह ताकते रहे एफडीए और रेलवे के अफसर

सैंपल लिए गए

एनालॉग को संदेह के आधार पर सीज कर जांच के लिए सैंपल लिया गया है। राज्य शासन ने इस पर प्रतिबंध लगाया है इसलिए इसकी बिक्री और रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।
-**विनोद कुमार गुप्ता**, जिला अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन

खबर संक्षेप

कैबिनेट सचिवों को एक वर्ष का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन और गृह सचिव गोविंद मोहन को बुधवार को एक-एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सोमनाथन को 30 अगस्त, 2026 के बाद और एक वर्ष के लिए कैबिनेट सचिव के पद पर सेवा विस्तार देने को मंजूरी दे दी है।

हाथों में दी रोटी-सब्जी प्रधानाध्यापिका निलंबित

बलिया। बलिया जिले के पलिया गांव स्थित कम्पोजिट विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय छात्र-छात्राओं के हाथों में दिए जाने का वीडियो वायरल होने के मामले में प्रभारी प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विद्यालय में कार्यरत अनुदेशिका की संविदा समाप्त करने की कार्वाई शुरू कर दी गई है।

15 लाख के इनामी समेत तीन माओवादी गिरफ्तार

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में बुधवार को 15 लाख रुपये के इनामी माओवादी समेत तीन माओवादियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। गिरफ्तार माओवादियों में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की क्षेत्रीय समिति का सदस्य मदन महतो उर्फ शंकर महतो उर्फ चरण शामिल है।

28 करोड़ के ड्रग्स जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कछार जिले में पुलिस और असम राइफल्स के संयुक्त अभियान में करीब 28 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए और तीन संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया। संयुक्त दल ने अभियान के दौरान 1.1 लाख याबा गोलियां और 223 ग्राम हेरोइन बरामद की। असम में मादक पदार्थ माफिया के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्वाई जारी है। कछार पुलिस और असम राइफल्स के संयुक्त अभियान में 1.1 लाख याबा गोलियों तथा 223 ग्राम हेरोइन जब्त की गई ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक, कई अहम फैसले

छग में एआई मिशन पर खर्च होंगे 500 करोड़, 100 डेटा लैब बनेंगी, 6 लाख विद्यार्थियों को देंगे ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

एआई मिशन के तहत - 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। यह मिशन भारत सरकार ▶▶|शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इनमें राज्य में एआई के लिए द्वार खोलने सहित कई अन्य निर्णय शामिल हैं। मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। पांच साल के इस मिशन में हर साल 500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी, पावर कंपनी का जारी होगा बांड

लोक निर्माण में नया सिस्टम

मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक, बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा ▶▶| शेष पेज 6 पर

एस-एसएनए मॉडल को मंजूरी

मंत्रिपरिषद् ने राज्य योजनाओं के लिए स्टेट नोडल एजेंसी(एस-एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की राशि का अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। अब योजनाओं की राशि विभिन्न बैंक खातों में लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगी, बल्कि एक केंद्रीकृत मदर अकाउंट के माध्यम से आवश्यकता होने पर ही सीधे हितग्राहियों या वेंडरों को भुगतान किया जाएगा।

अंजोर विजन के लिए अनुदान

मंत्रिपरिषद् ने वित्त विभाग के उस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है, जिसके तहत एशियन डेवलपमेंट बैंक(एडीबी) से छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के क्रियान्वयन हेतु अंजोर लाइट तकनीकी सहायता परियोजना के लिए 15 करोड़ रुपये का पूर्णतः अनुदान प्राप्त किया जाएगा। यह तीन वर्ष (1 दिसंबर 2026 से 30 नवंबर 2029) की बहु-क्षेत्रीय परियोजना है, जिसमें राज्य शासन अथवा भारत सरकार का कोई वित्तीय अंशदान नहीं होगा। परियोजना के अंतर्गत सार्वजनिक वित्त प्रबंधन को सुदृढ़ करना, पीपीपी इकोसिस्टम का विकास, ग्रीन एवं ब्लेंडेड फाइनेंस को बढ़ावा देना, राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यक्षमता में सुधार, क्लाइमेट-रेजिलिएंट परियोजनाओं का विकास ▶▶| शेष पेज 6 पर

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद आज सक्ती में

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

डॉ. चरणदास महंत

गुरु खुशवंत साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सक्ती

छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हरिभूमि एवं आईएनएच के संयुक्त तत्वावधान में जिला संवाद का आयोजन 6 अगस्त गुरुवार को दोपहर 12 बजे से राधा कृष्ण मंदिर, सक्ती में किया जाएगा। आयोजन में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सहित जनप्रतिनिधियों से प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी संवाद करेंगे। कार्यक्रम में जांजगीर की लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व भाजपा प्रत्याशी चंद्रपुर श्रीमती संयोगिता ▶▶|शेष पेज 6 पर

विकास और समस्याओं पर चर्चा

कार्यक्रम में जिले के विकास से जुड़े मुद्दों, शासन की योजनाओं की प्रगति, चल रहे विकास कार्यों तथा स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा और मंथन होगा। विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, उद्योग-व्यापार जगत, प्रबुद्ध नागरिक एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी आयोजन में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

मरकाटोला और सिहारीनाला में भालू के हमले की दो घटनाएं

भालू के हमले में भाई-बहन सहित तीन की मौत, एक युवती गंभीर

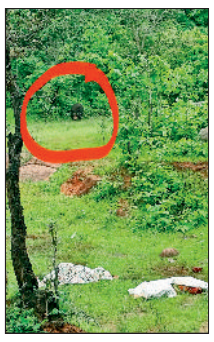

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले के नरहरपुर वन परिक्षेत्र में बुधवार को भालू के हमले की दो अलग-अलग घटनाओं ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। पहली घटना लारगांव मरकाटोला में हुई, जहां भाई और बहन की भालू के हमले में मौत हो गई, जबकि उन्हें बचाने पहुंची छोटी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं दूसरी घटना ग्राम सिहारीनाला में हुई, जहां खेत जा रहे एक बुजुर्ग की भालू के हमले में जान चली गई। दोनों घटनाओं में कुल तीन ▶▶|शेष पेज 6 पर

विधायक कई घंटे तक डटे रहे

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय विधायक आशाराम नेताम भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि यह अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक घटना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शासन की ओर से पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। विधायक कई घंटे तक मौके पर रहे और दोनो शव को जिला अस्पताल में पीएम के लिए भेजने के बाद वापिस हुए।

मादा शावक की मौत से आक्रोशित थी मादा भालू

दरअसल यह मादा भालू शावक की मौत से आक्रोशित हो गई थी। वनमंडलाधिकारी रौनक गोयल ने बताया कि भालू के शावक का पीएम करवाया गया, जिसके लीवर में दिक्कत थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। इसके अलावा भालू की जाँच भी की गई है। वहीं मृतकों के परिजनों को 6-6 लाख की सहायता राशि दी जाएगी।\

लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत पर कायम रेपो रेट

पश्चिम एशिया तनाव से नहीं घटी महंगाई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच बुधवार को नीतिगत दर रेपो को इस साल लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत पर कायम रखने के साथ 'तटस्थ' रुख को भी बरकरार रखा। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया तनाव चुनौती बन गई है। ऐसे में महंगाई दबाव सीमित बना हुआ है। हालांकि, खाद्य पदार्थों, ईंधन और अन्य कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के ▶▶|शेष पेज 6 पर

नए वित्त वर्ष में आएंगे प्लास्टिक के नोट

मल्होत्रा ने यह भी कहा कि आरबीआई अगले वित्त वर्ष की शुरुआत में पॉलिमर यानी प्लास्टिक से बने नोट जारी करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में पॉलिमर नोट का 30 वर्षों से अधिक समय तक चलने का रिकॉर्ड हैं। ये नोट खासतौर पर कम मूल्य वर्ग के नोटों के लिए उपयोगी होंगे, क्योंकि इनका इस्तेमाल और चलन अधिक होता है।

बचत करने वालों को बड़ी राहत

आरबीआई का यह फैसला अपनी बचत के पैसे बैंक में रखने वालों के लिए राहतभरा है, क्योंकि एफडी पर मिलने वाला ब्याज फिलहाल कम नहीं होगा। हालांकि, सभी बैंक आरबीआई के बताए मुताबिक ब्याज दरें एक जैसी नहीं रखते, वे अपनी लागत और बाजार को देखकर इसमें थोड़ा बदलाव कर सकते हैं। चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है।

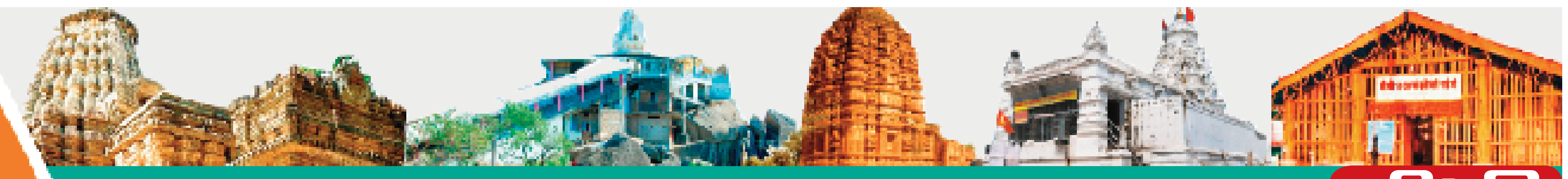

राज्य के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के नाम राजपत्र में प्रकाशित

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

सरकारी नौकरी में नियुक्ति प्रक्रिया भी जल्द पूरी होने की संभावना

करीब एक दशक से उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित होने के बावजूद सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे खिलाड़ियों के नाम राजपत्र (गजट) में प्रकाशित कर दिए हैं। सरकार की ओर से जारी राजपत्र में विभिन्न खेलों के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के नाम शामिल किए गए हैं। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके बावजूद लंबे समय से उन्हें सरकारी नौकरी का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

राजपत्र में नाम प्रकाशित होने के साथ ही अब इन 156 खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरी का रास्ता साफ हो गया है। उम्मीद है कि अब नियुक्ति प्रक्रिया भी जल्द पूरी होगी और उन्हें उनकी उपलब्धियों के अनुरूप सरकारी सेवा में अवसर मिलेगा। खेल जगत से जुड़े लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे खिलाड़ियों के हित में बड़ा कदम बताया है। माना जा रहा है कि भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और प्रदेश में खेल संस्कृति को भी मजबूती मिलेगी।

जारी सूची में

आर्चरी खिलाड़ी धर्मेश गोफने, बिन्देश्वरी मरावी, नित्या धुर्वे, भरत कुमार यादव, आरती मसराम, – बैडमिंटन खिलाड़ी वेंकट गौरव प्रसाद, जूही देवांगन, आकर्षी कश्यप, फेंसिंग में स्वाती विश्वकर्मा, वी. जॉनसन सोलोमन, यशपाल ध्रुव, अभिलाष राज, अनूप चौधरी,अनुराग चौधरी, हॉकी में रेणुका यादव, कराटे में रूपेश दास, बोनिता तालुकदार, मोनिका पाढ़ी, नितिन सिंह, राजेश, – कयाकिंग केनोइंग में प्रमोद फरिकार, कौशल नंदनी ठाकुर, काजल धीवर, पिंकी साहू, शिवांगी ठाकुर,हेमलता सार्व, सोनू साहू, स्वाती साहू, देवकुमारी साहू,अशोक कुमार,गणेश यदु , पैरा एथलेटिक्स में संगीता मसीह, ईश्वरी निषाद, प्रीति यादव, –पैरा स्विमिंग में ममता मिश्रा , किसराम पटेल, भरत सिंह, साफ्ट टेनिस में वुशु में आयुषी चौहान, बलराम साहू, महेन्द्र पासी,विरेन्द्र कुमार धीवर, नितिन नावलेकर,प्रतीक सिंह ठाकुर, बास्केटबॉल में फरहन अंजुम, एकता शिर्के, कृतिका रजक, दिपाली मतेलकर,कल्पना पटेल,महिमा भारद्वाज, मेघा सिंह, रिया वर्मा, निशा नेताम, अंशु श्रीवास, गुलब्शा अली, हैण्डबॉल में शाही रिजवान, ए. प्रिया राव,एम. रमेश, एम. वेंकट राव, ऐमेश्वर वर्मा, यासी जीबरान, योगेश, कंचन महानंद, दिव्या सिन्हा,अनुजा दुबे, मुकेश्वरी, चित्रा, पी. दिनकर, पूनम यादव,राधेश्याम सिंह यादव, राजेश कुमार,रेवंती, रजनी, सोनिया, दुर्गा स्वामी, नीरज सेमल्टी, यशोदा साहू, नेटबॉल में पलाश कुमार यदु, सृष्टि कांसकार, सुनील आदित्य, अंजली सोनकर, लखेश्वरी वर्मा, अतुल जायसवाल – डेफ स्विमिंग, व्हील चेयर फेंसिंग में कोमल कुमार मरकाम, महेन्द्र कुमार साहू, मालती पनौरे, मनोहर साहू, हरिहर सिंह राजपूत, रामफूल टोन्डर, रोहिणी साहू, राजेश कुमार साहू, सीता साहू ,उत्तरा नवरंग, दीक्षा तिवारी,दिलीप कुमार साहू, दुर्गा साहू, आशीष पटेल, द्वारिका प्रसाद जांगड़े, साफ्टबॉल में इनेन्द्र कुमार साहू, बीरू बाघ, मानस केशरवानी, बिरेन्द्र, किशन महानंद, हितेश निर्मलकर, प्रिंस सिंह, रितेश कुमार यादव, विश्वनाथ पाठक, विनय कुमार सोनवानी,निखिल नायक, भूपेन्द्र कुमार गढ़े, पी. आशीष कुमार, प्रदीप झा, सारंग नेताम,सौरभ यादव,सोनू कुमार गुप्ता, सुनील राज, सूरज अग्रवाल, दीपक कुमार, वसीम मोहम्मद, चंदन कंवर, चंदन तांडी, चन्द्रशेखर पूरी गोस्वामी, जयेश कुमार राणा,जगमोहन दास, जगदीश महानंद, नरेशनिर्मलकर, आशीष पाटिल, गौरव डहरिया, तैराकी में सृष्टि नाग, व्हालीबॉल में दीपेश कुमार सिन्हा,धर्मवीर सिंह – पैरा पॉवर लिफ्टिंग, यशपाल ध्रुव, अभिलाष राज, जगदीश विश्वकर्मा – वेटलिफ्टिंग, मोना पटेल – फेंसिंग, भारती सिन्हा – कराटे, दुर्गेश साहू – कराटे, धनेश्वर फरिकार – कराटे, रमेश कुमार – पैरा स्विमिंग, राजेन्द्र यादव – पैरा स्विमिंग, अलका यादव – साफ्टटेनिस, मीना – वुशू, मेश्वरी साहू – वुशू, रियाज़ नवाज़ – वुशू, लीलिमा सोनी – वुशू, प्रिति साहू – हैण्डबॉल, टी. प्रतीक कुमार – नेटबॉल, एस. मोहन राव – नेटबॉल, इमरान खान – नेटबॉल, मनोज साहू – नेटबॉल, विकास बंशपाल – नेटबॉल, निलेश शर्मा – नेटबॉल, भोजराज साहू – नेटबॉल, प्रकाश विश्वकर्मा – नेटबॉल, प्रशांत जेकब – नेटबॉल, लवकेश शर्मा – नेटबॉल, लुमेन्द्र साहू – नेटबॉल, राजू साहू – साफ्टबॉल, योगेन्द्र कुमार श्रीवास – साइक्लिंग (स्पेशल ओलम्पिक) शामिल हैं।

24 से 26 अक्टूबर को प्रस्तावित है सीजी पीएससी की मुख्य परीक्षा

सूबेदार-उप निरीक्षक भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी, 341 पद, 7 हजार 301 मेंस के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

चयनित अभ्यर्थियों को अलग से ऑनलाइन आवेदन करना होगा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने गृह (पुलिस) विभाग के अंतर्गत सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग और प्लाटून कमाण्डर भर्ती परीक्षा-2024 की प्रारंभिक लिखित परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है।

प्रारंभिक परीक्षा में सफल 7 हजार 301 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए प्रावधिक रूप से चिन्हित किया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मुख्य परीक्षा में शामिल होने के लिए चयनित अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट के माध्यम से अलग से ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

आयोग के अनुसार, इस भर्ती के लिए 341 पद विज्ञापित किए गए थे। इन पदों के लिए विज्ञापन 30 अक्टूबर 2024 को जारी किया गया था, जबकि 10 दिसंबर 2024 को शुद्धिपत्र भी प्रकाशित किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के तहत प्रारंभिक लिखित परीक्षा 12 जुलाई 2026 को राज्य के सभी 33 जिलों में बनाए गए 183 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी।

20 गुना अभ्यर्थियों के चयन का प्रावधान

भर्ती नियमों के अनुसार मुख्य परीक्षा के लिए विज्ञापित पदों के 20 गुना, यानी 6,820 अभ्यर्थियों का चयन किया जाना था। हालांकि आयोग ने बताया कि विभिन्न वर्गों और उपवर्गों में पात्र अभ्यर्थियों की उपलब्धता को देखते हुए प्रावधिक रूप से 7,301 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चिन्हित किया गया है।

अक्टूबर में होगी मुख्य परीक्षा

आयोग के मुताबिक मुख्य लिखित परीक्षा 24, 25 और 26 अक्टूबर 2026 को आयोजित किए जाने की संभावना है। परीक्षा कार्यक्रम और विस्तृत सूचना अलग से जारी की जाएगी। आयोग ने चयनित अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे मुख्य परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने संबंधी सूचना और अन्य अपडेट के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

वेबसाइट पर उपलब्ध है परिणाम

प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। जारी परिणाम में चयनित अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक, नाम और जन्मतिथि प्रकाशित की गई है। आयोग ने कहा है कि आगे की पूरी प्रक्रिया वेबसाइट के माध्यम से ही संचालित की जाएगी।

विभिन्न अपराधों में केंद्र, राज्य सरकार से मिलने वाले निर्देशों का पालन कराने 16 नोडल अधिकारी

मानव तस्करी से लेकर 16 अपराधों की जांच करने नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए

हरिभूमि न्यूज़:रायपुर

समाज में घटने वाले अलग-अलग तरह के अपराधों की रोकथाम तथा क्षेत्र में घटित अपराधों के लिए केंद्रीय गृहमंत्रालय के साथ राज्य सरकार समय-समय पर दिशा निर्देश जारी करती है। पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के पूर्व पीएचक्यू द्वारा गठित नोडल एजेंसी को रायपुर पुलिस रिपोर्ट करती थी। पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद पुलिस कमिश्नरी क्षेत्र के लिए विभिन्न अपराधों की रिपोर्टिंग तथा केंद्र तथा राज्य सरकार के दिशा निर्देशों का पालन कराने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने 16 नोडल अधिकारी के साथ लिंक अधिकारी नियुक्त किया है। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर ने नियुक्ति आदेश जारी किया है।

पुलिस कमिश्नर ने जिन नोडल अफसरों की नियुक्ति की है, संबंधित अफसर पुलिस कमिश्नरेट में घटित अपराधों की पुलिस कमिश्नर के साथ पुलिस मुख्यालय को रिपोर्ट करेंगे। इसके साथ ही अपराध की गंभीरता को देखते हुए जरूरत पड़ने पर केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करेंगे। साथ ही केंद्र तथा राज्य सरकार से मिलने वाले दिशा निर्देशों का पालन करने तथा अमल में लाने का काम इन पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी रहेगी। जिन पुलिस अफसरों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, वे सभी राज्य पुलिस सेवा के एडीसीपी, एसीपी रैंक के अफसर हैं। 11 पुलिस अफसरों को नोडल तथा लिंक अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

इन अफसरों को मिली जिम्मेदारी

- अपराध - नोडल अधिकारी - लिंक अधिकारी
- एएनटीएफ - अनुज कुमार - गौरव मंडल
- गो तस्करी, गोमांस बिक्री रोकथाम - पितांबर पटेल- अदित्य पाण्डेय
- चिटफंड आरोपियों की तलाशी, गिरफ्तारी - पितांबर पटेल - विवेक शुक्ला
- एनडीपीएस कार्रवाई, नष्टिकरण - गौरव मंडल - अनुज कुमार
- मॉब लिंचिंग - राहुल देव शर्मा - आदित्य पाण्डेय
- ध्वनि प्रदूषण - विवेक शुक्ला - राहुल देव शर्मा
- धर्मांतरण रोक थाम - आदित्य पाण्डेय - विवेक शुक्ला
- सीसीटीएनएस - निमिषा पाण्डेय - निकिता तिवारी
- यौन अपराध जांच ट्रैकिंग प्रणाली - स्नेहिल साहू- नंदिनी ठाकुर
- डॉयल-112, कंट्रोल रूम - निमिषा पाण्डेय - निकिता तिवारी
- हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं के लिए - नंदिनी ठाकुर - निकिता तिवारी
- फिंगर प्रिंट - पितांबर पटेल - राकेश नरवरे
- संगठित अपराध, निगरानी बदमाश फाइल खोलना - पितांबर पटेल - निमिषा पाण्डेय
- मानव तस्करी, गुम इंसान - नंदिनी ठाकुर - निकिता तिवारी
- सीसीएमएस पोर्टल - नंदिनी ठाकुर - निकिता तिवारी
- नए कानून के क्रियान्वयन - निमिषा पाण्डेय - निकिता तिवारी

सीजी पीएससी में गड़बड़ी - पूर्व आईएएस की जमानत खारिज

बिलासपुर । हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा-2021 में हुए प्रश्नपत्र लीक एवं भर्ती घोटाले में गिरफ्तार आयोग के पूर्व सचिव और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी जीवन किशोर ध्रुव की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, प्रतियोगी परीक्षाओं का पर्चा लीक करने जैसे कृत्य से लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद होता है। यह अपराध हत्या से भी अधिक जघन्य है, क्योंकि हत्या से केवल एक परिवार प्रभावित होता है, लेकिन ऐसे कृत्यों से पूरे समाज और व्यवस्था पर असर पड़ता है। सीबीआई की जांच के अनुसार, वर्ष 2020 से 2022 के बीच जब सीजीपीएससी की राज्य सेवा परीक्षा आयोजित की जा रही थी, तब जीवन किशोर ध्रुव आयोग के सचिव पद पर पदस्थ थे। आरोप है कि पद की गोपनीयता बनाए रखने की संवैधानिक जिम्मेदारी होने के बावजूद उन्होंने मुख्य परीक्षा के गोपनीय प्रश्नपत्र अपने बेटे सुमित ध्रुव को उपलब्ध कराए। **सीबीआई ने जब्त किया था दस्तावेज-** सीबीआई द्वारा आरोपी के भिलाई स्थित आवास पर की गई छापेमारी में पेपर नंबर-7 सामान्य अध्ययन के उत्तर और पेपर नंबर-2 निबंध के प्रश्न-कम-आंसर बुकलेट की प्रतियां बरामद हुई। जांच में सामने आया कि मुख्य परीक्षा के पेपर नंबर-7 के 47 प्रश्नों में से 42 प्रश्न वही थे, जो आरोपी के घर से जब्त दस्तावेजों में दर्ज थे।

दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर घेरा एसपी कार्यालय

अंबिकापुर। नाबालिग आदिवासी छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी और फरार उपसरपंच पति तरुण कुमार जायसवाल की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार को सर्व आदिवासी समाज ने एसपी कार्यालय का घेराव किया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे समाज के पदाधिकारी और लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बरसते पानी में प्रदर्शन किया।

कोतवाली थाना क्षेत्र की 14 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले में 22 जुलाई को आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था। आरोप है कि छात्रा आरोपी के घर काम करने जाती थी, जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार है। प्रदर्शन के दौरान सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष अनूप प्रताप सिंह टेकाम ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपी को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि अब तक मामले में एट्रोसिटी एक्ट की धाराएं भी नहीं जोड़ी गई हैं। समाज ने आरोपी को संरक्षण देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की।

सूचना मिलने पर एसएसपी राजेश अग्रवाल मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है तथा उसकी संपत्ति की कुर्की की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। एसएसपी के आश्वासन के बाद समाज ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इस बीच सर्व आदिवासी समाज ने आरोपी की सूचना देकर गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले को एक लाख रुपये इनाम देने की घोषणा की है। इससे पहले पुलिस आरोपी पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित कर चुकी है। साथ ही आरोपी की लाइसेंसी 12 बोर बंदूक भी जब्त कर ली गई है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

शब्द पहेली - 6309

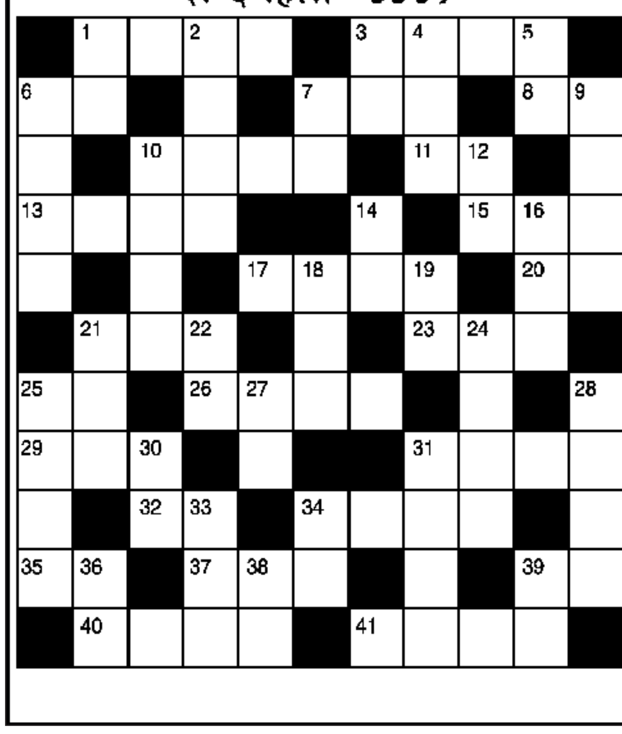

बाएँ से दाए

1. जाति,समाज,बुंधता-4
3. स्वयंवर माला,जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर,टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह,लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा,कम-2
13. मोटा आटा,दानेदार-4
15. गौरव,अभिमान-3
17. विष्णु,नारायण-4
20. वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21. होशियार,दक्ष-3
23. उचित,सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा,करतब-4
29. भर्त्सना,धिक्कार-3
31. गुलाम,परतंत्र-4
32. बेल,लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद,टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1. विधेयक,देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत,विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव,मृत शरीर-2
6. बंधु,सजातीय,भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा,आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन,लय,सुर-2
14. इच्छा,कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी,अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम,मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा,रात्रि-2
28. कहासुनी,कलह-4
30. तल्ला,पैंदा-2
31. गुलामी,पराश्रित-4
33. शिक्षा(उर्दू-3)
34. अदा करना,चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली- 6308 का हल

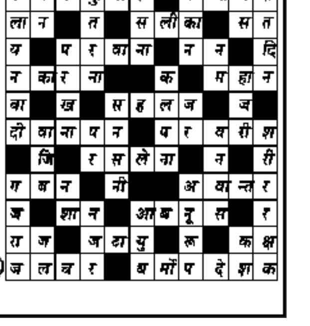

सूडोकु नवताल- 6319

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6318 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

बिलासपुर
गुरुवार 6 अगस्त 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष अष्टमी
वर्ष : 26, अंक : 136
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 33.0
न्यून. 22.5

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

29 वर्ष पश्चात रक्षा पर्व भद्रा बंधन से मुक्त, सूर्योदय होते ही चंद्रग्रहण, लेकिन यह भारत में मान्य नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

इस वर्ष रक्षाबंधन में बहनों को शुभ मुहूर्त का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे पूरे दिन कभी भी अपने भाइयों को राखी बांध सकेंगी। 29 वर्ष पश्चात इस बार राखी में भद्रा का साया नहीं है। पंचांग के अनुसार सावन पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 27 अगस्त 2026, गुरुवार को सुबह 9 बजकर 8 मिनट से होगी और इसका समापन 28 अगस्त, शुक्रवार को सुबह 9 बजकर 48 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदयातिथि का विशेष महत्व होता है अर्थात जिस दिन सूर्योदय के समय जो तिथि विद्यमान हो, उसी दिन पर्व मनाया जाता है। इस नियम के अनुसार, 28 अगस्त को सूर्योदय के समय पूर्णिमा तिथि रहेगी, इसलिए रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को ▶▶|शेष पेज 6 पर

- 27 अगस्त को प्रात: 9 बजे प्रारंभ होगी पूर्णिमा, उदया तिथि के आधार पर राखी 28 को
- सूर्योदय के पूर्व ही समाप्त हो जाएगी भद्रा

निश्शंक होकर बांधें राखी

2026 में रक्षाबंधन पूर्ण रूप से भद्रामुक्त है। निश्शंक होकर पूरे दिन बहनें अपने भाइयों को राखी बांध सकती हैं।
- पं.मनोज शुक्ला, महामाया मंदिर

3 घंटे 51 मिनट का समय विशेष शुभ

27 अगस्त को भद्रा का प्रभाव सुबह 9 बजकर 8 मिनट से रात 9 बजकर 32 मिनट तक रहेगा, इसलिए उस दिन राखी बांधना उचित नहीं माना जाएगा। इस कारण 28 अगस्त को बिना किसी बाधा के श्रद्धा और उल्लास के साथ यह पर्व मनाया जा सकेगा। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार भद्रा काल में राखी बांधना वर्जित होता है, क्योंकि इसे अशुभ माना जाता है। राहत की बात यह है कि 28 अगस्त को भद्रा सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी, जिससे पूरे दिन राखी बांधना शुभ रहेगा। विशेष रूप से सुबह 5 बजकर 57 मिनट से लेकर 9 बजकर 48 मिनट तक का समय राखी बांधने के लिए सर्वोत्तम रहेगा।

वर्ष का दूसरा चंद्रग्रहण

वैदिक पंचांग के अनुसार, 28 अगस्त अर्थात रक्षाबंधन के दिन चंद्रग्रहण लगेगा। भारतीय समय के अनुसार, चंद्रग्रहण की शुरुआत सुबह 6 बजकर 53 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन दोपहर 12 बजकर 31 मिनट पर होगा। इस ग्रहण की कुल अवधि 5 बजकर 39 मिनट पर होगी। रक्षाबंधन के दिन लगने वाला चंद्र ग्रहण एक आंशिक चंद्र ग्रहण है। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। 2026 का दूसरा चंद्र ग्रहण पश्चिमी एशिया के कुछ हिस्सों, दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, यूरोप में दिखाई देगा। चूंकि यह चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां सूतक मान्य नहीं होगा और ना ही रक्षाबंधन के पर्व में किसी तरह का कोई असर पड़ेगा।

खबर संक्षेप

एयर इंडिया ने तेवोल्डे को बनाया नया सीईओ

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने बुधवार को इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व प्रमुख तेवोल्डे गेब्रेमरियम को अपना अगला एमडी और सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की। वह कैंपबेल विल्सन का स्थान लेंगे, जिन्होंने इस साल अप्रैल में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी।

पति ने पत्नी की उसके प्रेमी से कराई शादी

संत कबीर नगर। उत्तर प्रदेश के संत कबीरनगर जिले में एक असामान्य घटना में एक व्यक्ति ने शिव मंदिर में अपनी पत्नी का कथित तौर पर उसके प्रेमी से विवाह कराया। व्यक्ति ने अपनी पत्नी का कुछ समय से दूसरे शख्स के साथ प्रेम संबंध होने का दावा किया। यह घटना धनघटा तहसील के डेबरी गांव में हुई। फूलमती की पांच संतानें हैं, जिनमें 18 साल का एक बेटा शामिल है।

दो करोड़ से अधिक मूल्य की मेफेड्रोन बरामद

मुंबई। मुंबई पुलिस ने दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ मेफेड्रोन बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मादक पदार्थ निरोधक प्रकोष्ठ की टीम ने मंगलवार देर रात चेंबूर क्षेत्र में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 681 ग्राम मेफेड्रोन बरामद की गई।

बाजूबंद में छिपाया गया एक किलो सोना बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने इस्तांबुल से आई दो महिला यात्रियों के पास से 'बाजूबंद' में छिपाकर लाया जा रहा करीब एक किलोग्राम सोना जब्त किया। दोनों महिला यात्री पांच अगस्त को आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंची थीं। 'एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम' (एपीआईएस) के आधार पर प्रोफाइलिंग के बाद उन्हें ग्रीन चैनल पार करने के उपरांत रोका गया।

'आरएसी' यात्रियों को भी बिस्तर और कंबल

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने 'रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन' (आरएसी) टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को बिस्तर और कंबल (बेडरोल किट) उपलब्ध कराने के अपने निर्देश को एक बार फिर दोहराया है। यह कदम लगभग सभी रेलवे मंडलों से इस संबंध में लगातार शिकायतें मिलने के बाद उठाया गया है।

उपग्रह एनवीएस-3 प्रक्षेपण को तैयार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि भारत की क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (नाविक) के लिए एनवीएस-3 उपग्रह प्रक्षेपण की खातिर तैयार है। इसके बाद, एनवीएस-4 और एनवीएस-5 का प्रक्षेपण किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि इन उपग्रहों के प्रक्षेपण के बाद सात उपग्रहों वाले 'नाविक' के बुनियादी समूह को पूरा करने के लिए एक और उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना है। हालांकि, सिंह ने इन प्रक्षेपणों की समयसीमा का उल्लेख नहीं किया।

भारत सरकार का कड़ा रुख, कंपनी ने स्वीकार की गलती

सुबह अल्टीमेटम, शाम को मानी 'चूक', वीडियो विवाद में झुका मेटा, जुकरबर्ग ने मांगी माफी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट फेसबुक से हटाने और प्लेटफॉर्म में कई खामियों को लेकर भारत सरकार के कड़े रुख के बाद मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने माफी मांगी है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और आईटी सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात के दौरान मेटा की ग्लोबल टीम ने बाल शोषण सामग्री, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म संचालन में हुई गलतियों पर खेद जताया है। मेटा टीम ने यह भी कहा, बड़ी चूक हो गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक वीडियो हटाए जाने के विवाद के बीच मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जकरबर्ग ने भारत सरकार से माफी मांगी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, जकरबर्ग ने मेटा प्लेटफॉर्म पर बाल शोषण और डीपफेक सामग्री और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों पर खेद व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स सहित अन्य सोशल मीडिया संचालित करने वाली कम्पनी मेटा लंबे समय से केंद्र की कड़ी निगरानी में है।

यह घटनाक्रम उस समय सामने आया जब बुधवार सुबह संसद की संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने मेटा को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि मार्क जकरबर्ग व्यक्तिगत रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की जा सकती है, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत मिलने वाले 'सेफ हार्बर' संरक्षण पर पुनर्विचार भी शामिल है।

विवाद की मुख्य वजह क्या थी?

दरअसल, यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेल्फी वीडियो पोस्ट को फेसबुक पर सीमित कर दिया गया था। इस वीडियो में उन्होंने पेपर लीक मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था। मेटा ने इसे अपनी एआई-संचालित ऑटोमेटेड कंटेंट फिल्टर की तकनीकी गड़बड़ी बताते हुए पोस्ट बहाल कर दी थी। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने इस सफाई को अपर्याप्त मानते हुए मेटा के वैश्विक अधिकारियों को समन भेजा था।

भारत मेटा का सबसे बड़ा बाजार

85.3 करोड़

52 से 55 करोड़

70.26 करोड़

45 मिनट चली अहम बैठक

सरकारी सूत्रों के अनुसार, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कप्लान के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन से लगभग 45 मिनट तक बैठक की। इसके बाद आईटी मंत्री से भी मुलाकात हुई। इसी बैठक के बाद जकरबर्ग की ओर से माफी का संदेश सरकार तक पहुंचा।

सरकार सख्त

हाल के महीनों में भारत सरकार ने मेटा के प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री, डीपफेक वीडियो और कथित एल्गोरिद्मिक पक्षपात को लेकर लगातार चिंता जताई है। सरकार सोशल मीडिया कंपनियों से ऐसी सामग्री के खिलाफ अधिक प्रभावी कार्रवाई और जवाबदेही की मांग कर रही है।

सरकार ने क्या कहा?

सूत्रों के मुताबिक बैठक में मेटा को स्पष्ट शब्दों में बताया गया कि यदि कंपनी अपने एल्गोरिद्म के माध्यम से यह तय करती है कि कौन-सा कंटेंट किसे दिखाया जाएगा, तो वह केवल एक निष्पक्ष "इंटरमीडियरी" नहीं मानी जा सकती। ऐसे में उसे आईटी अधिनियम के तहत मिलने वाले सेफ हार्बर संरक्षण का स्वतः लाभ नहीं मिलेगा।

मेटा का रुख

मेटा पहले भी कह चुका है कि उसके प्लेटफॉर्म पर बाल शोषण के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू है और कंपनी ऐसी सामग्री की पहचान कर उसे हटाने के लिए लगातार अपनी तकनीक और सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत कर रही है।

अब आगे क्या?

इस घटनाक्रम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की कानूनी जवाबदेही और 'सेफ हार्बर' व्यवस्था पर नई बहस छेड़ दी है। यदि सरकार भविष्य में यह मानती है कि एल्गोरिद्म आधारित कंटेंट चयन करने वाले प्लेटफॉर्म केवल निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं हैं, तो मेटा समेत अन्य वैश्विक सोशल मीडिया कंपनियों के लिए भारत में नियामकीय ढांचा काफी सख्त हो सकता है।

डीईओ कार्यालय पहुंची जांच टीम को बैरंग लौटाना पड़ा

4.53 करोड़ के गबन का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर-रामानुजगंज जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 4.53 करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। डीईओ मनीराम यादव पर फर्नीचर, स्टेशनरी, खेल सामग्री, लेखन सामग्री समेत अन्य मदों में अनियमित भुगतान करने का आरोप है। शिकायत के बाद संभागीय आयुक्त के निर्देश पर कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर प्रमोद गुप्ता ▶▶|शेष पेज 6 पर

भंडार गृह का होगा सत्यापन

अपर कलेक्टर प्रमोद गुप्ता ने बताया कि भंडार गृह का सत्यापन जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संबंधित कर्मचारी की अनुपस्थिति और वैकल्पिक प्रभार नहीं दिए जाने से सत्यापन नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया गंभीर वित्तीय अनियमितता की आशंका दिखाई दे रही है, हालांकि अंतिम निष्कर्ष विस्तृत जांच और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ही सामने आएगा।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अगली जांच में वित्तीय अभिलेखों, खरीदी से जुड़े दस्तावेजों और भंडार गृह में उपलब्ध सामग्री का मिलान किया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर यह तय होगा कि अनियमितता किस स्तर पर हुई। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाएगी।

शराब दुकान से अवैध बिक्री और जांच में गफलत, दो आबकारी एसआई निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शराब के सरकारी कारोबार में गड़बड़ी के मामले में दो आबकारी उप निरीक्षकों आशाराम शाक्यस और पी. माधव राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इससे जुड़े एक मामले में सहायक जिला आबकारी अधिकारी निलोफर जैन पर कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त ने की है। एक मामला सरकारी दुकान से अवैध रूप से अधिक शराब बेचने का है। दूसरे मामले में विदेशी शराब दुकान में अधिक कीमत वसूलने की शिकायत पर एसआई द्वारा उसे छोड़कर ▶▶|शेष पेज 6 पर

दुकान से अवैध शराब बेचने का मामला

धमतरी जिले में 53 पेटी अवैध शराब की बरामदगी की जांच के बाद आबकारी विभाग ने बलौदाबाजार जिले के दो अधिकारियों पर कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि जब्त शराब का स्रोत बलौदाबाजार जिले के लटुवा स्थित देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान से जुड़ा था, जहां से निर्धारित सीमा ▶▶|शेष पेज 6 पर

दो उप निरीक्षक निलंबित

आबकारी आयुक्त ने पाया कि संबंधित वृत्त के प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक आशाराम शाक्य अपने कर्तव्यों के निर्वहन, निरीक्षण और नियंत्रण में लापरवाही बरतने के प्रथम दृष्टया दोषी हैं। इसके आधार पर उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय उपायुक्त आबकारी, संभागीय ▶▶|शेष पेज 6 पर

सहायक जिला आबकारी अधिकारी पर भी गिरी गाज

इसी मामले में जारी दूसरे आदेश में कहा गया है कि बलौदाबाजार जिले में संबंधित मदिरा दुकान का प्रभार सहायक जिला आबकारी अधिकारी निलोफर जैन के पास था। जांच में उनके स्तर पर भी पर्यवेक्षण और प्रशासनिक नियंत्रण में कमी पाई गई। चूंकि वे राजपत्रित अधिकारी हैं, इसलिए उनके विरुद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा गया है।को सस्पेंड किया गया है, इसके साथ ही सहायक जिला आबकारी अधिकारी पर कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। एक अन्य मामले में बलौदाबाजार जिले आबकारी उप निरीक्षक पी माधव राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

सड़क पर नाव

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में बाढ़-बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य असम हैं। 23 इलाके अब भी प्रभावित हैं। यहां लोगों का रेस्क्यू करने सड़कों पर नाव चलानी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। उत्तरप्रदेश के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है। उत्तराखंड के देहरादून और बागेश्वर में भारी बारिश के चलते 12वीं तक के स्कूलों में बुधवार को छुट्टी कर दी गई।

विरोध-प्रदर्शनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

युवाओं को शांत करने की जरूरत, संयम बरतें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कानून-प्रवर्तन एजेंसियों को संयम बरतना चाहिए। कुछ 'गुमराह तत्व' पथराव भी करें, तब भी युवाओं को शांत किया जाना चाहिए। कोर्ट ने 20 जुलाई को आयोजित 'संसद चलो' मार्च के आयोजकों के खिलाफ कथित तौर पर हिंसा भड़काने के आरोप में कार्रवाई के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमति जताई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने एक सेवानिवृत्त वायुसेना अधिकारी की ओर से दायर इस याचिका को इसी तरह के विषय पर एक याचिका के साथ जोड़ दिया।

सीजेपी प्रतिनिधियों के खिलाफ याचिका

याचिका में 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के आयोजकों यानी सीजेपी प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कोर्ट ने इस याचिका को इसी मामले से जुड़ी दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया। याचिका में यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है कि पुलिस और सुरक्षा बलों के कर्मियों के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने वालों की पहचान की जाए और उनसे सामुदायिक सेवा कराई जाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भावुक हुईं शेख हसीना

जेल भेजें या मार दें, दिसंबर में वापस जाना चाहती हूं बांग्लादेश

नई दिल्ली। बांग्लादेश से दो साल पहले भागकर भारत आईं वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को दिल्ली के फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया में मीडिया को संबोधित किया। शेख हसीना फिजिकली तो मौजूद नहीं हुईं, लेकिन ऑडियो माध्यम से उन्होंने लोगों को संबोधित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भावुक होते हुए हसीना ने कहा, मुझे पता है कि वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मार भी सकते हैं, फिर भी मैं दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाउंगी। लोगों का समर्थन मेरे लिए बहुत जरूरी है। मौत की सजा, झूठे मुकदमे और दिखावटी सुनवाई मुझे डरा नहीं सकती। मेरे खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई गैरकानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। शेख हसीना ने कहा कि पिछले दो सालों से मैंने अपने प्यारे बांग्लादेश को मुश्किलों से जूझते देखा है। यह वह बांग्लादेश नहीं है जिसे हमने बनाया था, यह वह बांग्लादेश नहीं है जिसके लिए 1971 में 30 लाख लोगों ने अपनी जान दी थी। मैं जुलाई और अगस्त 2024 की सच्चाई से अपनी बात शुरू करना चाहती हूं। यह छात्रों का कोई शांतिपूर्ण आंदोलन नहीं था। शुरू से ही, मेरी सरकार ने बातचीत, कानूनी प्रक्रिया और धैर्य के जरिए इस मुद्दे को शांति से सुलझाने की कोशिश की। लेकिन सुधार की बात की आड़ में, कुछ संगठित समूह छात्रों की मांगों को हिंसक राजनीतिक हथियार में बदलने की कोशिश कर रहे थे।

बांग्लादेश के लोगों से अलग नहीं हुई

शेख हसीना ने रोते हुए कहा कि मैं एक ऐसी व्यक्ति के तौर पर बात कर रही हूं, जिसने अपनी जिंदगी बांग्लादेश के लोगों के साथ बिताई है और जिसे अपने देश से दूर जाने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन मैं कभी भी अपने लोगों से अलग नहीं हुई।

दो साल में बुरी तरह से बंट गया बांग्लादेश

अवामी लीग के नेता मोहिबुल हसन चौधरी नौफेल ने कहा कि आज बांग्लादेश में हमारी सरकार को हिंसक तरीके से हटाए हुए 2 साल हो गए हैं। जब हमारी सरकार के खिलाफ विद्रोह शुरू हुआ, तो हमारे युवाओं से कहा गया था कि सरकार को हिंसक तरीके से हटाने से भेदभाव-मुक्त बांग्लादेश बनेगा। इसके उलट, पिछले दो सालों में हमारा देश बुरी तरह बंट गया है और अराजकता व अव्यवस्था की स्थिति में है। आज पूरे बांग्लादेश में, हमारे लाखों नागरिक भारी महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। महिलाओं और बच्चों, पत्रकारों, वकीलों, व्यापारियों और जातीय व धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा लगातार जारी है। हम ऐसा बांग्लादेश चाहते हैं, जहां राजनीतिक मतभेदों को लोकतांत्रिक बातचीत से सुलझाया जाए, जहां हर नागरिक को कानून के तहत अधिकार मिलें।

चिंतन

सरकार युवाओं की आवाज सुने

जब बड़ी संख्या में देश के युवा किसी मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो उनकी हर बात से सहमत होना सरकार के लिए जरूरी नहीं, लेकिन उनकी बात सुनना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है, मौजूदा दौर में सरकारों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। विरोध को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर बल प्रयोग से दबाने के बजाय उसके पीछे के असंतोष को समझना लोकतांत्रिक शासन की पहली कसौटी होनी चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी जैसे रास्ते पर चले भी जाएं तो उन्हें केवल बल प्रयोग से नहीं, समझाने और काउंसलिंग के जरिए शांत करने के प्रयास किए जाने चाहिए। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों से संयम बरतने की सलाह देते हुए कोर्ट ने सरकार को भी आक्रामक रवैये से बचने को कहा है। यह संदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विरोध व हिंसा के बीच एक स्पष्ट रेखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति पर हमला, पत्थरबाजी या कानून तोड़ना स्वीकार नहीं किया जा सकता। चुनौती यह है कि राज्य इस फर्क को समझते हुए ऐसी नीति बनाएं, जिसमें कानून का राज भी कायम रहे और युवाओं की नाराजगी को संवाद का रास्ता भी मिले। दमन से तत्काल शांति दिख सकती है, लेकिन संवाद ही स्थायी समाधान की नींव रखता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन संविधान की भावना के अनुरूप है, लेकिन हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। 20 जुलाई के संसद मार्च में पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के घायल होने की घटना इसी संतुलन की जरूरत को सामने लाती है। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च संस्थागत मंच है। उसकी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा होती है, सुरक्षा घेरे को तोड़ने का प्रयास होता है या पुलिस पर हमला किया जाता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कानून सबके लिए समान है और आंदोलन की आड़ में हिंसा को वैध नहीं बनाया जा सकता, लेकिन दूसरी तरफ यह भी देखना होगा कि किसी आंदोलन की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई। सरकार यदि पहले ही संवाद का रास्ता खोल दे तो कई बार वह स्थिति पैदा ही नहीं होती जिसमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों का आमना-सामना हो। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि राज्य को संयम और संवाद दोनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाना चाहिए। पुलिस की भूमिका कानून-व्यवस्था बनाए रखने की है, लेकिन बल प्रयोग अंतिम विकल्प होना चाहिए। प्रदर्शनकारियों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने और सुरक्षा व्यवस्था का सम्मान करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। सरकार को भी दोहरी नीति से बचना होगा। एक ओर हिंसा करने वालों पर कानून के मुताबिक कार्रवाई हो और दूसरी ओर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत का रास्ता खुला रहे। आज जरूरत युवाओं को डराने की नहीं, उन्हें भरोसा देने की है। उनकी बात सुनी जाए, असहमति को लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया माना जाए और जहां शिकायत जायज हो, वहां समाधान की पहल हो। सरकार अगर युवाओं की आवाज सुनेगी तो उसे सड़कों पर टकराव कम और लोकतंत्र में भरोसा ज्यादा मिलेगा। यही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है।

अभियान
राजकुमार सिंह

> ‘नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन नशे जैसी गहरी सामाजिक और आपराधिक समस्या का इलाज केवल जागरूकता से संभव नहीं। युवाओं को खेल, कला और संस्कृति से जोड़कर नशे से दूर रखने की कोशिश जरूरी है, मगर इसके साथ नशे की आपूर्ति करने वाले संगठित तंत्र पर कठोर प्रहार भी उतना ही अनिवार्य है। सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर देश के महानगरों और छोटे कस्बों तक ड्रग्स की उपलब्धता बताती है कि तस्करी का नेटवर्क अभी भी मजबूत है। इसलिए नशामुक्ति का संकल्प तभी सफल होगा, जब सरकार जागरूकता के साथ तस्करों, भ्रष्ट संरक्षण तंत्र और नशे के कारोबार की पूरी श्रृंखला पर निर्णायक कार्रवाई करे।

सख्ती से ही संभव नशामुक्त भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ संकल्प अभियान का स्वागत किया जाना चाहिए, पर तेजी से नासूर बनती जा रही इस समस्या का समाधान मात्र संदेश नहीं, सख्ती से ही संभव होगा। इस अभियान के अंतर्गत 100 सप्ताह तक हर रविवार को खेल, कला और संस्कृति आदि गतिविधियों के माध्यम से देश भर में युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश दिया जाएगा। स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामाजिक संस्थाओं और औद्योगिक संगठनों के अलावा 100 से भी ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से यह अभियान चलाया जायेगा। जागरूकता की दृष्टि से यह निश्चय ही एक बड़ा अभियान होगा। तेजी से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही नशे की लत के विरुद्ध जागरूकता अभियान की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, पर स्वयं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। ऐसे में 100 रविवार जागरूकता अभियान मात्र चला कर नशामुक्त भारत का सपना आशावाद का ज्यादा नजर आता है। बेशक नशे की समस्या भारत में हाल-फिलहाल पैदा नहीं हुई। कभी पूर्वोत्तर से शुरू यह लत सीमावर्ती पंजाब और पड़ोसी हरियाणा तक पहुंच चुकी है। इससे अछूता रहने का दावा तो शायद ही कोई राज्य कर पाये, क्योंकि गुजरात के बंदरगाहों तक पर बड़ी-बड़ी खेप जब्त हुई हैं।

प्रधानमंत्री का दावा है कि ड्रग्स तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई पहले की तुलना में कई गुणा बढ़ी है, लेकिन तरह-तरह के ड्रग्स की देश के दूरदराज क्षेत्रों में भी सहज उपलब्धता सरकारी कार्रवाई को नाकाफी ही साबित करती है। यह तो खुला रहस्य है कि तमाम तरह का नशा सीमा पार से तस्करी हो कर ही भारत आता है। भारत की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर यह काम दशकों से चल रहा है। सच यह भी है कि ड्रग्स तस्करी अब आतंकवादियों की फंडिंग का भी बड़ा स्रोत बन चुकी है। नापाक पड़ोसी पाकिस्तान हमारे देश में नशा तस्करी का एकमात्र स्रोत तो नहीं है, लेकिन शायद सबसे बड़ा स्रोत वही है। दरअसल विभाजन के जरिये अस्तित्व में आने के बाद से ही पाकिस्तान ने भारत के विरुद्ध बहुआयामी छद्म युद्ध छेड़ रखा है। कश्मीर से पंजाब तक पाकिस्तान न सिर्फ आतंकवाद का पालन-पोषण कर रहा है, बल्कि उसके लिए धन भी नशा तस्करी और जाली करंसी के जरिये भारत से ही जुटा रहा है। कहना नहीं होगा कि नशा तस्करी जहां भारतीय युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार बना रही है, वहीं जाली करंसी अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है। बेशक भारत इस सबसे अनभिज्ञ नहीं है और हरसंभव कदम भी उठा रहा है, लेकिन पाकिस्तानी दुष्चक्र को पूरी तरह तोड़ा नहीं जा सका है। सीमावर्ती पंजाब में युवाओं को नशे ने इस कदर खोखला कर दिया है कि उस पर ‘उड़ता पंजाब’ फिल्म भी बन चुकी है। पिछले कई चुनाव से पंजाब में नशा बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है और पुलिस से ले कर राजनेताओं तक पर तस्करी में संलिप्तता के आरोप भी लगते रहे हैं, पर उससे मुक्ति का वायदा अभी तक कोई भी सरकार वफा नहीं कर पाई है। युवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। फिर भारत तो है ही युवा आबादी बहुल देश। ऐसे में युवाओं के नशे के दलदल में फंसने का दुष्प्रभाव देश के वर्तमान ही नहीं, भविष्य पर भी दूरगामी होगा। तमाम तरह के नशे जिस तेजी से भारतीय युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं, उसके आंकड़े डरावने हैं, पर उस पर अपेक्षित चिंता सरकारों और उनकी एजेंसियों में नजर आती नहीं। भारत का संविधान ‘मद्य निषेध’ की सोच रखता है, पर देश में 15 करोड़ से भी ज्यादा लोग शराब पीते हैं, जिसकी जायज बिक्री के एवज में सरकारें मोटा राजस्व वसूलती हैं और शराब की बोतल एवं दुकानों पर चेतावनी लिखवा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ लेती हैं। देश में लगभग तीन करोड़ लोग गांजे का सेवन करते हैं, जबकि दो करोड़ के आसपास हेरोइन आदि ड्रग्स का नशा करते हैं। आंकड़े तब और भी डरावने हो जाते हैं, जब पता चले कि इन नशाखोरों में किशोर और युवा भी बड़ी संख्या में शामिल हैं।

जाहिर है, नशा तस्करी जहां कानूनी चुनौती है, वहीं नशाखोरी एक बड़ी सामाजिक समस्या बन गयी है, जिससे परिवार तबाह हो रहे हैं। इस समस्या से लड़ने और उबरने में मदद के लंबे-चौड़े दावे भी किये जाते हैं, लेकिन कड़वा सच यह है कि नशे की लत के शिकार 80-90 प्रतिशत लोगों को तो इलाज ही नहीं मिल पाता। ज्यादातर नशा मुक्ति केंद्र भी यातना केंद्र बन गए हैं। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक ही लगभग पौने छह करोड़ लोग शराब पीने से होनेवाली समस्याओं से जूझ रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 में भारत में प्रति व्यक्ति शराब की खपत 3.1 लीटर थी, जो 2023 में 3.2 लीटर हो गई और 2028 में 3.4 लीटर हो जाने की संभावना है। भारत में 60 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया शराब का बाजार बताता है कि कारोबारी मोटा मुनाफा कमा रहे हैं और सरकारें भरपूर राजस्व वसूल रही हैं। अन्य ड्रग्स का कारोबार गैर कानूनी है, इसलिए उसकी बाबत ऐसे ठोस आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि चोरी छिपे बिकनेवाली चीज मुंह मांगी कीमत पर ही मिलती है और उसके कारोबार से होनेवाला मुनाफा भी अकूत होता है। तभी तो लोग ऐसे जोखिमभरे कारोबार में दांव लगाते हैं और पुलिस-प्रशासन से ले कर खरीददारों तक अपना नेटवर्क बनाते हैं। ऐसे में नशाखोरी का मर्ज तेजी से नासूर ही बनता जा रहा है। वैसे तो इलाज की कोई ईमानदार कोशिश नजर आती नहीं, फिर भी सरकारी दावों पर भरोसा करें तो कहना पड़ेगाः ‘मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की’, पर अब तो मर्ज इलाज की हद से गुजर चुका है। अब इसकी शल्य चिकित्सा ही हो सकती है, जिसके लिए सबसे पहले व्यवस्था की शल्य चिकित्सा करनी होगी, क्योंकि बिना व्यवस्था के संरक्षण के ड्रग्स तस्करी सरीखा संगठित आपराधिक कारोबार भारत में फल-फूल ही नहीं सकता था। पूर्वोत्तर से ले कर पंजाब तक राजनेताओं और पुलिस-प्रशासन की संलिप्तता की चर्चाएं आम रही हैं, लेकिन इन खास लोगों की लगाम कसने का साहस अभी तक तो किसी ने नहीं दिखाया।

अगर प्रधानमंत्री मोदी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही भ्रष्ट व्यवस्था की शल्य चिकित्सा भी कर पाये, तो अवश्य नशा मुक्त भारत का सपना साकार हो सकता है। कोई भी देश अपने नागरिकों से ही विकसित बनता है। जब देश के नागरिक स्वस्थ्य, सभ्य तथा सामाजिक -आर्थिक रूप से खुशहाल होंगे, तभी सही मायने में विकसित भारत का सपना साकार हो पाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
डॉ.रमेश ठाकुर

‘हिरोशिमा त्रासदी’ की विभीषिका का दर्द

मानव इतिहास में ‘6 अगस्त 1945’ की मनहूस तारीख को शायद ही कोई भूल पाए। 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में मनाई जाती है ये तारीख। इस तारीख में सिर्फ तबाही लिखी थी। तारीख में ऐसा मुकर्रर वक्त था, जिसने मात्र 16 मिनट के भीतर 1,30,000 लोगों की सांसें एक साथ रोकी थी। हताहतों का आकंड़ा फिलहाल सरकारी है, पर वास्तिवक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जाती है। हिरोशिमा पर किए परमाणु हमले में मरने वालों में बूढ़े, बच्चे, नौजवान, औरतें भी थीं। सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने ‘बी-29 ‘एनाला गे’ विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सभ्य और मुट्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशक्ति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था, जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिनटों में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था। अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रद्धांजलि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को ‘हिरोशिमा दिवस’ के रूप में विश्व मनाता है। यह दिन उन मुल्कों को संकल्पित होने को आहवान भी करवाता है, जो परमाणु बम फोड़ने की अनावश्यक धमकी दिया करते हैं। साथ ही अहिंसा, त्रासदी, को छोड़कर भाईचारा अपनाने और शांति के पथ पर चलने को जागरूश्क भी करता है। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर गिराए गए अलग-अलग तारीखों पर परमाणु बम की यह कहानी काले अध्याय के रूप में तबतक दर्ज रहेगी, जबतक दुनिया इस धरती पर वास करेगी। 6 अगस्त को गिराए पहले बम का नाम ‘एनाला गे’ था। वहीं, 9 अगस्त वाले बम का नाम ‘लिटिल बॉय’ यानी यूरेनियम-आधारित परमाणु बम था। जापान का जब तक अस्तित्व रहेगा, उनके लोग अमेरिका को माफ नहीं करेंगे। पाकिस्तान, अमरिका जैसे मुल्क आज भी परमाणु बमों को फोड़ने की धमकी देते हैं। इसलिए हिरोशिमा दिवस उनके लिए चेतावनी के अलावा सीख जैसा भी है। हिरोशिमा की घटना को आज 81 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य संसार आज भी युद्ध-हिंसा में संलग्न है। यूं कहें कि परमाणु हथियारों के ढेर पर बैठा है। हाल में, अमेरिका द्वारा ईराक पर परमाणु हमले की धमकी देना, दुनिया भर में बढ़ती हिंसा की घटनाएं और हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ के बीच हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि हम हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से क्या कुछ सबक सीख पाए या नहीं? 81 साल पहले 2,50,000 हजार लोगों को मारकर भी अमेरिका को शांति नहीं मिली? अमेरिका की दादागिरी को जवाब देने का वक्त आ चुका है इसके लिए वैश्विक स्तर पर सभी मुल्कों को एकजुट होना होगा। साथ ही परमाणु हथियारों के निर्माणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की दिशा में सभी देशों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है। गौरतलब है कि हिरोशिमा त्रासदी की ये तारीख निरस्त्रीकरण और आदर्शवादी की वह अवधारणा है जो पूरी तरीके से हथियारों की समाप्ति का समर्थन करती है। हालांकि, निरस्त्रीकरण या शस्त्र नियंत्रण कोई नई घटना नहीं है। इसको सर्वव्यापी मान्यता भले ही द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली हो। पर, इसका मौजूदा वक्त में नियंत्रण खुराफाती मुल्कों ने खत्म कर दिया है। जबकि, 19वीं शताब्दी में राष्ट्रों के मध्य निरस्त्रीकरण के लिए बकायदा समझौते भी हुए थे। हथियारों की मात्रा को घटाने में बहुत कुछ करने की जरूरत है। एकाध देश कुछ नहीं कर सकते। सभी को आगे आना होगा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का कभी भी उल्लंघन नहीं किया। पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कभी कोई प्रयोग नहीं किया। भारत सदैव इस बात का पक्षधर रहा है कि परमाणु हथियारों का बेजा इस्तेमाल कभी ना किया जाए। इस मसले पर 26 जनवरी 1946 को संयुक्त राष्ट्र ने अणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की। उसके एक साल बाद फरवरी 1947 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद द्वारा परंपरागत हथियार आयोग की स्थापना भी की गई। सन 1952 में महासभा ने उपर्युक्त दोनों आयोगों को संयुक्त करके निरस्त्रीकरण आयोग के नाम से एक नया आयोग भी बनाया। आयोग को परंपरागत और परमाणु दोनों प्रकार के हथियारों के नियमन के संदर्भ में संधि के प्रारूप तैयार करने का दायित्व सौंपा गया। इतना सब कुछ होने के बाद भी मकसद सफल नहीं हुआ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें

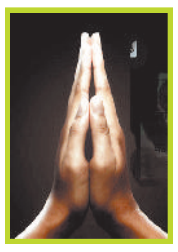

संकलित
दर्शन

कार्य संपन्न होने की प्रक्रिया में कदाचित त्रुटियां रह सकती हैं, भले ही कार्य निष्ठा से किया जाए। अगर कोई आपके किए-कराए में चूक निकाले, उस पर टिप्पणी करे तो नाराज होने के बजाय उसे खुलेमन से स्वीकार करें। वैसे आप गलतियां करने से तभी बच पाएंगे, जब कुछ नहीं करेंगे। अपने अवगुण या खोट को स्वीकार करना श्रेष्ठ मानवीय गुण है। औसत सोच का व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ होता है। अवांछनीय या अनुचित कार्य की अनदेखी का अर्थ है संशोधन के द्वार बंद कर देना। सर्वगुणसंपन्न व्यक्ति तो साक्षात देवता है। भूल-चूक की स्वीकारोक्ति प्रगति की राह में पहला चरण है। इस प्रक्रिया में आप अनेक व्यक्तियों का विश्वास जीतते हैं। जिस सत्य का सामना करने के लिए तैयार नहीं, उसे बदलेंगे कैसे? जिसे अपनी अपूर्णताओं का आभास नहीं वह मूर्ख नहीं, बल्कि दयनीय है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने अवगुणों को दूर नहीं कर सकेगा। जिस सीमा तक हम अपनी अपूर्णताओं और अवांछनीय व्यवहार के प्रति सजग रहेंगे और समाधान की ओर अग्रसर रहेंगे, उसी अनुपात में हम नैतिक रूप से समृद्ध होंगे। व्यावहारिक जीवन में संयमी, संयत व्यक्ति से भी भूल-चूक हो जाती है। उन्नत सोच का व्यक्ति अपनी भूल को तुरंत स्वीकार कर लेगा। मध्यम सोच वाले को गलती का अहसास तो होगा, वह मन में कुढ़ेगा भी, किंतु लज्जित होने की आशंका से वह गलती को खुलेआम नहीं मानेगा। अपनी छवि के प्रति अत्यंत चौकस अधिसंख्य व्यक्ति अपने गलत कार्य या कथन की वैसी संरक्षा करेंगे जैसे सद्गुण या शील दांव पर हो।

जीवन में गुरु की आवश्यकता क्यों?

संकलित
प्रेरणा

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है। वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई। वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था। उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम हुई थी। लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस कीचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। बाघ भीधीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों भी करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फस गए। दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद वह बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा, क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है? बाघ ने गुर्राते हुए कहा, मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं। गाय ने कहा, लेकिन तुम्हारे उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है? उस बाघ ने कहा, तुम भी तो फस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी है। गाय ने मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूंढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा। तुम्हें कौन ले जाएगा? थोड़ी ही देर में सच में ही एक आदमी वहां पर आया और गाय को कीचड़ से निकालकर अपने घर ले गया।

अंतर्मन

आज की पाती

सरकारी धन का उचित प्रयोग करें सरकारें

देश में बहुत से राज्यों के लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जैसे कि कहीं सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं अर्थात सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए इलाज की सुविधाएं नहीं, कहीं स्ट्रीट लाइट, कहीं सफाई व्यवस्था, कहीं पीने वाले पानी की समस्या, कहीं टूटी सड़के, लेकिन इनमें से कुछ राज्य बेवजह ही सरकारी पैसे को मुफ्त में लोगों को बांट रहे हैं। अगर इस सरकारी पैसे को ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए खर्च किया जाए तो लोगों को सुविधाएं मिलेंगी, जो लोगों की साफ-सफाई, गरीबों को बीमारियों और अन्य बहुत सी समस्याओं को हल करेंगी। इसी तरह बुजुर्गों के लिए बुढ़ापा पेंशन कम से कम 5000 रुपए प्रति माह होनी चाहिए। - *मदन साहू, सरायपाली*

ट्रेंड

व्यापक बदलाव

सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विकास की नई शुरुआत हुई। दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी व लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव देखने को मिला। **-नरेंद्र मोदी,** पीएम

शीर्ष कोर्ट में 38 जज होंगे

न्यायपालिका के बढ़ते कार्यभार, संवैधानिक एवं कानूनी व्याख्या के उभरते नए सवालों को ध्यान में रखकर उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना समय की मांग है। अब शीर्ष अदालत में प्रधान न्यायायाधीश को मिलाकर कुल 38 न्यायाधीश हो जाएंगे। **-अर्जुन राम मेघवाल,** केंद्रीय मंत्री

गृहमंत्री जिम्मेदार

छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए भारत के गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। उनमें न तो संसद में आकर इस मुद्दे पर बोलने का शिष्टाचार है और न ही यह बताने का साहस कि आखिर क्या हुआ। मुझे युवाओं और उन नौजवानों पर गर्व है, जिन्होंने संविधान, भारत की अवधारणा व देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

बुनियादी ढांचे का निर्माण

जेन-जेड को यह जानना चाहिए। महज 12 वर्षों में भाजपा-नीत सरकार ने भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे का 60-70 प्रतिशत से अधिक निर्माण किया है। शेष 30-40 प्रतिशत का निर्माण कांग्रेस-नीत सरकारों के करीब 60 वर्षों के शासन के दौरान हुआ। **-पेमा खांडू,** मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश

करंट अफेयर

मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को ‘इंडिया डे’ किया घोषित

मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हेली ने राज्य के विकास में भारतीय समुदाय के योगदान को मान्यता देते हुए 15 अगस्त को ‘इंडिया डे’ घोषित किया है और राज्य के निवासियों से इस अवसर के आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया। एक अगस्त को जारी सरकारी आदेश में गवर्नर ने यह भी कहा कि सामुदायिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने वार्षिक स्वतंत्रता दिवस समारोहों तथा सामुदायिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से नागरिक भागीदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तरह की घोषणा बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने भी की है। उन्होंने भी 15 अगस्त को ‘इंडिया डे’ घोषित किया है। उन्होंने बोस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास के नए कार्यालय के उद्‌घाटन का स्वागत किया और ‘सेलबोस्टन-250’ कार्यक्रम में भारतीय नौसैनिक पोत आईएनएस सुदर्शिनी के आगमन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। मैसाचुसेट्स की गवर्नर द्वारा जारी सरकारी आदेश में कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 को भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से 1947 में मिली आजादी की 79वीं वर्षगांठ होगी।

ऑफ बीट

जाने कुछ ब्लैक होल दूसरों से बड़े क्यों?

ब्लैक होल घने खगोलीय पिंड होते हैं, जिनका गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत होता है कि कुछ भी खुद में समेट लेते हैं, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता है। जो कुछ भी ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव की सीमा को पार करेगा, वह ब्लैक होल में गिर जाएगा। इस गहरे, घने गड्ढे के अंदर, इसे फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। ब्लैक होल ब्रह्मांड में यहां-वहां फैले रहते हैं। हमारी आकाशगंगा जैसी आकाशगंगाओं में कुछ छोटे ब्लैक होल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए हैं। अन्य विशाल ब्लैक होल, जिन्हें ‘सुपरमैसिव’ ब्लैक होल कहा जाता है, आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं। इनका वजन हमारे सूर्य के द्रव्यमान से दस लाख से एक अरब गुना तक हो सकता है। तो आप सोच रहे होंगे : खगोलशास्त्री संभवत: इतनी अंधेरी और इतनी बड़ी चीज़ कैसे देख सकते हैं? मैं एक खगोलशास्त्री हूं जो हमारे ब्रह्मांड में बने पहले सुपरमैसिव ब्लैक होल का अध्ययन करता है। मैं यह समझना चाहता हूं कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं और वे किस प्रकार के खगोलीय माहौल में विकसित होते हैं। दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, अल्बर्ट आइंस्टीन और कार्ल श्वार्ज़चाइल्ड ने सबसे पहले ब्लैक होल का विचार प्रस्तुत किया था।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

370 हटाने के बाद कश्मीर में व्यापक बदलाव : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में बड़े बदलाव आए हैं, वहां बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल के क्षेत्रों में अवसरों में वृद्धि हुई है। अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के सात वर्ष पूरे होने पर मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा वह यह सुनिश्चित करने के लिए भी कटिबद्ध है कि हर नागरिक को 'बड़े सपने देखने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने' का मौका मिले। उन्होंने कहा कि इन दो केंद्र शासित प्रदेशों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। मोदी ने कहा कि चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था।

फैक्ट्री में केमिकल लीक तीन मजदूरों की मौत

बेंगलूरू। कर्नाटक के यादगिरी जिले के कडेचूर-बडियाल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री में केमिकल लीक होने से दम घुटने के कारण 3 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तेलंगाना के महबूबनगर निवासी कटला गणेश और मध्य प्रदेश के कटनी निवासी विक्रम सिंह गोंडा और संजय सिंह गोंडा के रूप में हुई है। हादसे में आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के रहने वाले मंचला हेमंत और मंचला शिवकुमार घायल हो गए। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने सैदापुर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद एहतियात के तौर पर फैक्ट्री का काम फिलहाल बंद कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने 37 पार्टी सांसदों से नाश्ते पर की मुलाकात, कई मुद्दों पर की बात

'सोशल मीडिया के इस्तेमाल में सावधानी बरतें टीवी पर गलत बात न कहें, पूरी गरिमा बनाए रखें'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी में हाल में शामिल हुए आम आदमी पार्टी के कुछ पूर्व नेताओं समेत 37 पार्टी सांसदों के साथ सुबह बैठक की और इस बात पर जोर दिया कि संसद में बिना किसी अवरोध के सुचारू तरीके से कामकाज होना चाहिए। सोशल मीडिया और टीवी पर भी उन्होंने सांसदों को बहुत सतर्क रहने की सलाह दी।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पीएम मोदी ने बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सांसदों को राजनीतिक दर्शन, संसदीय नैतिकता और व्यक्तिगत आचरण के बारे में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने खासतौर से सोशल मीडिया पर व्यवहार को लेकर चिंता जताई। मोदी ने सांसदों को आगाह किया कि वे दिल्ली में किससे मिल रहे हैं और किसके साथ बैठ रहे हैं, इसका ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि लेटरहेड का इस्तेमाल और अपना आचरण बहुत सावधानी से करें। सोशल मीडिया और टीवी पर भी उन्होंने सांसदों को बहुत सतर्क रहने की सलाह दी। पीएम ने कहा कि टीवी पर कोई भी गलत बात न कहें और हर समय पूरी गरिमा बनाए रखें। उन्होंने सांसदों से फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने, युवाओं से जुड़ने और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को उजागर करने को कहा। साथ ही, युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने का भी सुझाव दिया। पीएम ने सांसदों को दिल्ली के राजनीतिक दायरे से बाहर निकलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वे केवल लुटियंस दिल्ली तक ही सीमित न रहें। सूत्रों के मुताबिक, यह बातचीत काफी सौहार्दपूर्ण रही, जिसमें पीएम ने सांसदों के सवालों के जवाब भी दिए।

सांसदों को दिल्ली के राजनीतिक दायरे से बाहर निकलने की दी सलाह

संसद में गरिमा और संयम जरूरी

संसदीय बहस के दौरान होने वाली तनातनी पर पीएम ने कहा कि सदन के अंदर की चिंता को बाहर न ले जाएं। उन्होंने कहा कि सदन का माहौल कभी-कभी तनावपूर्ण हो सकता है, लेकिन आपको इसे अपने साथ नहीं ले जाना चाहिए। चिल्लाने या गुस्से में बोलने की जरूरत नहीं है। आप सभी पार्टी की लाइन जानते हैं, इसलिए हर मुद्दे पर अपनी बात शांति से रखें। पीएम ने सांसदों को सलाह दी कि वे सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों को जानें। उन्होंने कहा कि आपको पता होना चाहिए कि सदन में आपके साथी कौन हैं। उन्होंने सांसदों को संसद की लाइब्रेरी में हर दिन कम से कम एक या दो घंटे बिताने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

योग और समय प्रबंधन का मंत्र

जब सांसदों ने पीएम से उनके व्यस्त शेड्यूल और जिम्मेदारियों को संभालने का राज पूछा, तो उन्होंने कहा, 'मैं वर्तमान में जीता हूं। अभी मैं आप सभी से बात कर रहा हूं, तो मैं सिर्फ यहीं हूं।' उन्होंने सांसदों को सलाह दी कि वे वर्तमान में रहें और देश के बेहतर भविष्य के लिए काम करें। पीएम ने अपनी दिनचर्या साझा करते हुए कहा, 'मैं केवल 3.5 घंटे सोता हूं, लेकिन हमेशा योग करता हूं, जो मुझे ठीक से काम करने में मदद करता है। आप सभी को स्वस्थ जीवन शैली अपनानी चाहिए और रोजाना योग करना चाहिए।'

सांसदों ने साझा किए अनुभव

बैठक के बाद बीजेपी सांसद अशोक मित्तल ने बताया कि पीएम ने युवाओं से जुड़ने के लिए उन्हें ध्यान से सुनने और विनम्रता से बात करने की सलाह दी। सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा कि पीएम ने संसद को गंभीरता से लेने और इसे सुचारू रूप से चलाने पर जोर दिया। बीजेपी सांसद राहुल सिन्हा ने कहा कि पीएम ने हम सभी को सुना और महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। सांसद सुष्मिता देव ने बताया कि पीएम ने संसद को एक विश्वविद्यालय की तरह बताया, जहां नेताओं को एक-दूसरे से सीखना चाहिए। बीजेपी नेता तरुण चुघ ने कहा कि पीएम ने पार्टी राजनीति से ऊपर उठकर सार्वजनिक जीवन में गरिमा बनाए रखने का पाठ पढ़ाया।

रामंदिर चंदा चोरी, छात्र आंदोलन को लेकर विपक्ष है हमलावर

लोकसभा में गतिरोध बरकरार, बिना चर्चा के विधेयक पारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राजधानी में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच संसद में बनी हुई तनातनी जस की तस बरकरार है। नतीजा, मॉनसून सत्र के तीसरे दिन यानी बुधवार को भी लोकसभा में कोई सरकारी कामकाज नहीं हुआ। कांग्रेस व अन्य दलों द्वारा नारेबाजी के साथ किए गए शोरशराबे की वजह से प्रश्नकाल-शून्यकाल दोनों बाधित हुए और कार्यवाही को एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजकर 21 मिनट पर गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं, इसी हंगामे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक-2026 को पहले की ही भांति बिना किसी चर्चा के सदन से पारित कर दिया गया।

सर्वोच्च न्यायालय में बढ़ेंगे 4 मी-लार्ड

संसद ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा के बाद इसे पारित कर लोकसभा को लौटा दिया। लोकसभा इसे सोमवार को ही पारित कर चुकी थी। विधेयक के कानून बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को छोड़कर न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 हो जाएगी। यानी अब शीर्ष अदालत में सीजेआई सहित कुल 38 न्यायाधीश होंगे। यह संशोधन सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में किया गया है।

रीजीजू ने संसद चलाने राहुल से सहयोग मांगा, परिसीमन को लेकर भी चर्चा

संसद में जारी गतिरोध समाप्त करने के प्रयास के तहत संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर मानसून सत्र की शेष अवधि के दौरान सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग मांगा। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान परिसीमन और महिला आरक्षण से संबंधित विधेयकों को फिर से पेश किए जाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई, लेकिन कांग्रेस नेता की ओर से कोई आश्वासन नहीं मिला। कुछ राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि स्वतंत्रता दिवस के बाद, संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर पिछले सत्र में पारित नहीं हो सके परिसीमन विधेयक और नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक को दोबारा पेश किया जा सकता है।

प्रेशर ग्रुप की तरह करेंगे काम नहीं बनाएंगे पॉलिटिकल पार्टी

सीजेपी फाउंडर दीपके बोले- देश को जन-आंदोलन की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी फिलहाल राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी। अभी भारत को एक मजबूत प्रेशर ग्रुप की जरूरत है, इसलिए कॉकरोच पार्टी उसी भूमिका में काम करेगी।' दीपके ने कहा, 'अगर हम राजनीतिक पार्टी बनाते, तो हमारा आंदोलन सफल नहीं होता। आंदोलन इसलिए सफल हुआ, क्योंकि अलग-अलग विचारधाराओं और राजनीतिक दलों के लोग लोकतंत्र को कमजोर करने वाली चीजों के खिलाफ एक साथ आए। आज भारत को किसी नई राजनीतिक पार्टी की नहीं, बल्कि एक मजबूत जन आंदोलन की जरूरत है।' महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में सीजेपी की बुधवार से दो दिवसीय बैठक शुरू हो गई है। बैठक से पहले मीडिया से बातचीत में दीपके ने बताया कि इसमें जंतर-मंतर आंदोलन की समीक्षा, E20 पेट्रोल, शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

अयोध्या में वीआईपी पास सिस्टम खत्म

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम दरबार दर्शन की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब राम दरबार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अलग से विशेष पास बनवाने की जरूरत नहीं होगी। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु पहले सामान्य दर्शन कतार से रामलला के दर्शन करेंगे। इसके बाद वे सीधे मंदिर की प्रथम मंजिल पर स्थित राम दरबार के दर्शन भी कर सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त अनुमति या विशेष पास की आवश्यकता नहीं होगी। अब तक राम दरबार के दर्शन सीमित संख्या में जारी किए जाने वाले विशेष पास के माध्यम से कराए जाते थे। इस वजह से हर श्रद्धालु को दर्शन का अवसर नहीं मिल पाता था। ट्रस्ट ने अब इस विशेष पास प्रणाली को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रद्धालुओं के लिए दर्शन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना है, ताकि अधिक से अधिक भक्त बिना अतिरिक्त औपचारिकताओं के राम दरबार के दर्शन कर सकें।

■ अब कतार से ही होंगे दर्शन

तुरंत हटाए जाएं गडकरी से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट

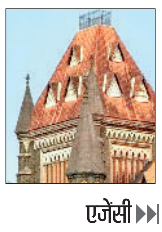

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा और एक्स को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट फौरन हटाने का आदेश दिया। साथ ही पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी भी मांगी। हाईकोर्ट ने इन कंपनियों से कहा, 'भविष्य में भी अगर मंत्री की ओर से ऐसा कोई कंटेंट ध्यान में लाया जाता है, तो उसे भी हटाया जाएगा।' गडकरी ने 27 जुलाई को हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से होने वाले कथित मुनाफे से जोड़ा जा रहा है। याचिका में कहा गया, 'लोग उनके खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट्स और मीम बना रहे हैं।

ऐसे मामलों के लिए बनाना चाहिए सिस्टम

जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने कहा, मेटा और गूगल फौरन इन पोस्ट को हटाने पर काम करे। यह भी पूछा कि क्या उनके पास ऐसा कोई सिस्टम है, जिससे बिना कोर्ट गए ऐसी पोस्ट को हटाया जा सके। प्लेटफॉर्म को ऐसी पोस्ट खुद ही हटा देनी चाहिए। जस्टिस डॉक्टर ने कहा, 'आपके पास इतनी टेक्नोलॉजी है, तो क्या आपके पास कोई ऐसा सिस्टम नहीं है, जो ऐसे मामलों को पकड़ सके। अगर कोई अश्लील या अपमानजनक चीज डालता है, तो उसे तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। यह बहुत ही घटिया बात है।'

अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दायर करने की अनुमति : हाईकोर्ट ने गडकरी को मेटा और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ उन अज्ञात लोगों के खिलाफ भी सिविल मुकदमा दायर करने की अनुमति दी है, जो उनके और उनके परिवार के खिलाफ गलत जानकारी फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर दावे किए जा रहे हैं कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन और कई पार्ट्स को नुकसान पहुंच रहा है।

श्रीलंका में बाढ़ का कहर, सात लोगों की मौत, स्कूल बंद

कोलंबो। श्रीलंका के चाय उत्पादक पर्वतीय इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। हालात को देखते हुए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में घर, खेत और सड़कें जलमग्न हो गई हैं। सरकारी आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार मध्य श्रीलंका के पर्वतीय क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के प्रवक्ता प्रदीप कोडिप्पिली ने बताया कि मध्य क्षेत्र में भूस्खलन में दो मकान दब गए, जिससे कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा बाढ़ से दो अन्य लोगों की जान चली गई। इस आपदा में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि 291 मकानों को नुकसान पहुंचा है और लगभग 3,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए नौसेना और सेना के जवान राहत एवं बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं।

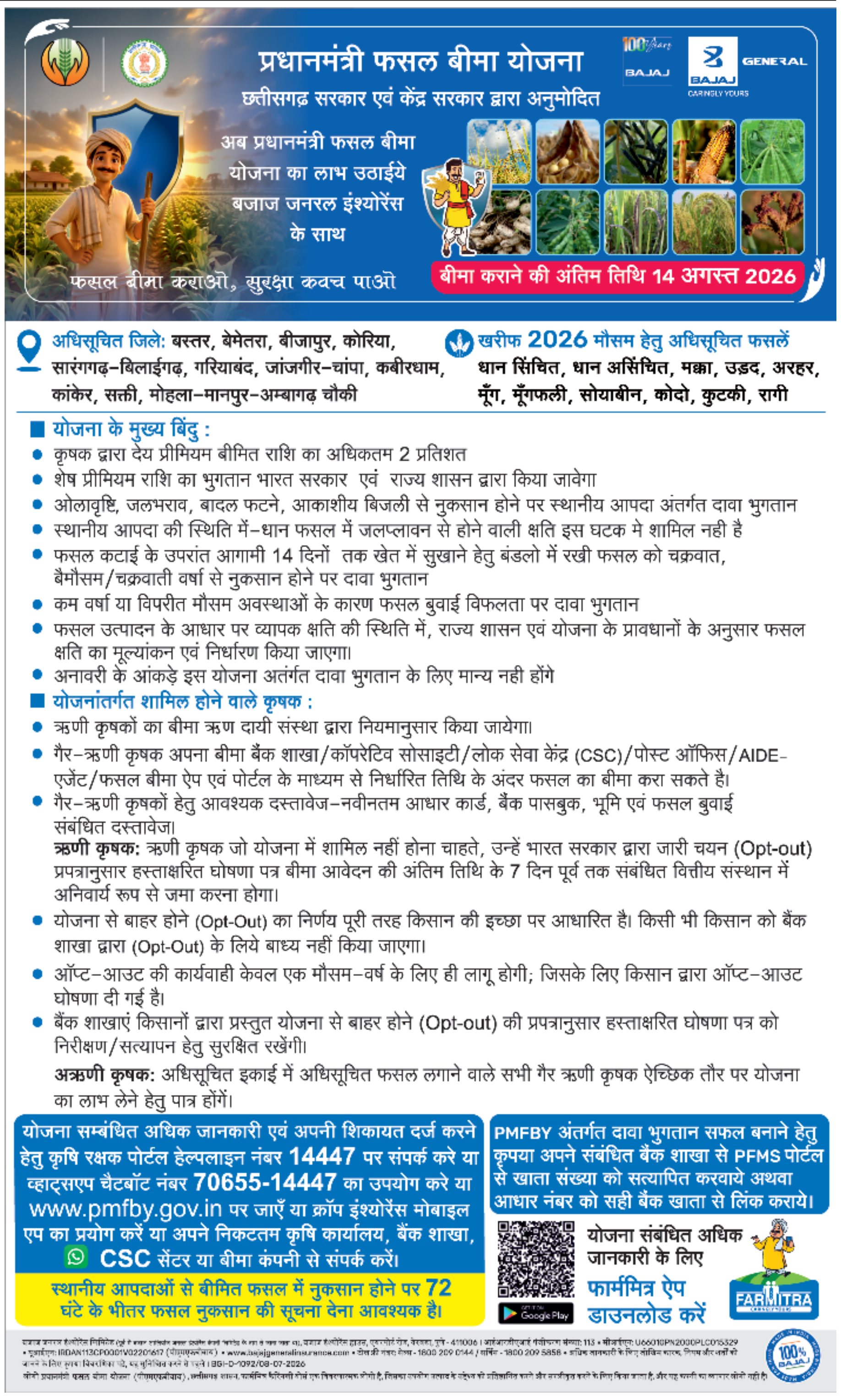

हेल्थ क्वेस्ट
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब गले में फील हो दर्द और खराश

मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे गले में दर्द बना हुआ है। इस वजह से कुछ भी खाने-पीने में तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और यह कैसे ठीक होगा?

-अनिल, बिलासपुर

हालांकि इस समय मौसम में उतार-चढ़ाव है यानी, बारिश होने पर ठंडा हो जाना और धूप निकलने पर गर्म होना। ऐसे में ठंडा पानी या फ्रिज में रखी चीजें खाने से इस तरह की समस्या आती हैं। आप ठंडा पानी और फ्रिज में रखी ठंडी चीजें बिल्कुल ही ना खाएं। इसके अलावा सुबह-शाम गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इससे आराम मिल सकता है। अगर आराम न मिले तो जरूर आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर चेकअप करवा सकते हैं। कई बार टांसिल की समस्या भी हो जाती है, जिसके लिए मेडिसिन लेनी पड़ती है।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी आंखों से पानी रिसता रहता है। आंखों में कुछ चुभने जैसा भी महसूस होता रहता है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-मनीष, रायपुर

पिछले कुछ दिनों का मतलब दो-चार दिन या इससे अधिक दिन, क्योंकि कई बार आंख में कुछ चले जाने के बाद चार-पांच दिन इस तरह की समस्या बनी रहती है। आंखों में चुभन होती है और पानी आता है। लेकिन अगर ऐसा नहीं है और समस्या इससे अधिक दिन से है तो जरूर आपको एक बार आंखों के डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि किसी दूसरे सलाह पर कोई भी दवा मेडिकल स्टोर से लेकर आंख में ना डालें। इससे आपको नुकसान पहुंच सकता है। राहत के लिए दिन में आंखों को ठंडे पानी से धुलें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मुझे खाना ठीक से हजम नहीं होता है। खाने के बाद मितली आने लगती है। पेट हमेशा भारी-भारी रहता है। इस वजह से सुस्ती भी छाई रहती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई सॉल्यूशन बताएं।

-मुकेश, रायगढ़

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपका डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है। इसके लिए सबसे पहले आपको अपना खान-पान और लाइफस्टाइल सुधारनी होगी। सुबह वॉक करें। ब्रेकफास्ट में ऑयली या तली-भुनी चीज बिल्कुल ना खाएं। लंच में सलाद और दही या छाछ जरूर लें। रात का खाना बिल्कुल ही हल्का करें और सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह डाइट हैबिट में चेंज करने से आपको आराम मिल सकता है।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मुझे यह जानना है कि बहुत से एक्सपर्ट्स बारिश के मौसम में हरी सब्जियां नहीं खाने की सलाह देते हैं। क्या यह सही है? क्या इन्हें खाना सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है?

-सचिन, भोपाल

जी यह बात सही है। हालांकि हरी सब्जी नुकसानदेय नहीं है। लेकिन बारिश और उमस की वजह से इस मौसम में इन सब्जियों में जल्दी कीटाणु लग जाते हैं। इससे बचने के लिए इनमें पेस्टिसाइड का इस्तेमाल होता है या कई बार अगर पेस्टिसाइड का प्रयोग नहीं हुआ तो भी कीटाणु होने की संभावना अधिक रहती है। जो हमारे सेहत के लिए नुकसानदेय होते हैं। इसलिए इस मौसम में हरी सब्जी खाने से मना किया जाता है।

मेरी उम्र 59 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मेरा मन बेवजह बेचैन रहता है। किसी भी काम में मन नहीं लगता। सुस्ती छाई रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का कारण और निदान बताएं।

-युगल किशोर, रोहतक

सबसे पहले आप इस बात पर गौर करें कि पिछले कुछ दिनों में ऐसा क्या हुआ है या आपके जीवन में कोई असामान्य घटना घटी है क्या? क्योंकि ऐसे मामले में प्रायः देखा गया है कि समस्या शुरू होने के बाद बेचैनी शुरू हो जाती है। अगर ऐसा है तो पहले आप उस समस्या का समाधान करें। इसके साथ ही रुटीन लाइफ जरूर फॉलो करें। यानी सुबह समय पर उठना। और टाइम से नाश्ता, खाना-पीना। अगर इस तरह से भी आपको आराम नहीं मिलता है तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

मेंटल हेल्थ
रजनी अरोड़ा

तमाम तरह की जिम्मेदारियों का बोझ, अनियमित जीवनशैली, डिजिटल एडिक्शन, वर्क प्रेशर, फ्यूचर प्लानिंग्स जैसे कई कारणों से आज के दौर में तमाम लोग मेंटल क्लटर का सामना करते हैं। ध्यान न देने पर इससे गंभीर मेंटल इश्यूज पैदा हो सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसके कारणों को समझते हुए मेंटल क्लटर को रिमूव करने के उपाय किए जाएं। इस बारे में हम दे रहे हैं बहुत यूजफुल सजेशंस।

ऐसे रिमूव करें मेंटल क्लटर रहिए मेंटली फिट-एनर्जेटिक

आज के डिजिटल युग में हमारा मस्तिष्क पहले की तुलना में कहीं अधिक जानकारी ग्रहण कर रहा है। सुबह उठते ही मोबाइल नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया, ई-मेल, समाचार, कार्यस्थल का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां और भविष्य की योजनाएं। ये सभी मिलकर दिमाग पर लगातार प्रेशर डालते रहते हैं।

क्या होता है मेंटल क्लटर

दिमागी दबाव के कारण तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल बढ़ सकता है। रक्तचाप बढ़ने की संभावना भी रहती है। नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो सकती है। बार-बार सिरदर्द और थकान महसूस हो सकती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर स्ट्रेस, एंजाइटी और डिप्रेशन का जोखिम भी बढ़ सकता है। विशेषज्ञ इसे मेंटल क्लटर यानी मानसिक अव्यवस्था, दिमागी उलझन कहते हैं। यह कोई मानसिक रोग नहीं है, बल्कि हमारे मस्तिष्क पर बढ़ते संज्ञानात्मक और भावनात्मक बोझ का संकेत है। मेंटल क्लटर एक दिन में नहीं बनता और एक दिन में खत्म भी नहीं होता। यह धीरे-धीरे जमा हुई चिंताओं, जिम्मेदारियों, अधूरी भावनाओं और लगातार भागती हुई जिंदगी का परिणाम होता है। जब मन हर समय भरा हुआ रहता है, तो किसी काम में कंसंट्रेट कर पाना मुश्किल हो जाता है, इससे तनाव बढ़ जाता है।

कम हो सकता है मेंटल क्लटर: जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करके या छोटी-छोटी अच्छी आदतें अपनाकर इस मेंटल क्लटर को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। क्योंकि शांत मन ही सबसे बड़ी सफलता, सबसे बड़ी संपत्ति और सबसे बड़ी आजादी है। जब व्यक्ति अपने मन को व्यवस्थित करना शुरू करता है, तो तनाव कम होने लगता है और मन अनावश्यक बोझ से मुक्त होता है। व्यक्ति बेहतर निर्णय ले पाता है, अधिक रचनात्मक बनता है और जीवन का आनंद अधिक संतुलित ढंग से उठा पाता है। जीवन की सबसे बड़ी दौड़ बाहर नहीं, हमारे अपने मन के भीतर चलती है। यदि मन में अनावश्यक विचारों, डर, तुलना और पछतावे का शोर भरा रहेगा, तो बाहरी सफलता भी सच्ची खुशी नहीं दे पाएगी। इसलिए समय-समय पर अपने मन को भी व्यवस्थित करना जरूरी है। जो बातें व्यक्ति के नियंत्रण में नहीं हैं। उन्हें स्वीकार करना चाहिए। जो बदल सकती हैं, उनके लिए प्रयास करना चाहिए और जो बातें केवल मानसिक बोझ बढ़ाती हैं, उन्हें जाने देना चाहिए।

अपनाएं ब्रेन डंप तकनीक: यदि दिमाग में लगातार विचार घूम रहे हों, तो उन्हें बार-बार सोचने के बजाय कागज पर लिख दें। इसे ब्रेन डंप कहा जाता है। इसमें आप अधूरे काम की चिंताएं, आइडिया, अगले दिन की योजना, महत्वपूर्ण बातें एक डायरी में लिख देते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि लिखने से मस्तिष्क को यह संदेश मिल जाता है कि जानकारी सुरक्षित है। इससे उसे हर समय याद रखने की आवश्यकता नहीं रहती और मानसिक दबाव कम होने लगता है।

डेली 10 मिनट नो वर्क टाइम: आज अधिकांश लोग हर खाली समय में मोबाइल उठा लेते हैं। लेकिन मस्तिष्क को भी आराम चाहिए। दिन में 10-15 मिनट बिना मोबाइल, बिना टीवी, बिना संगीत, बिना किसी काम के केवल शांत बैठें। यह समय मस्तिष्क को विचारों को व्यवस्थित करने का अवसर देता है।

करें माइंडफुलनेस का अभ्यास: मेंटल क्लटर का सबसे बड़ा कारण है दिमाग का हमेशा अतीत या भविष्य में रहना। माइंडफुलनेस हमें वर्तमान क्षण में लौटना सिखाती है। जैसे सांसों पर ध्यान देना, धीरे-धीरे भोजन करना, टहलते समय आस-पास की आवाजों को महसूस करना। शोध बताते हैं कि नियमित माइंडफुलनेस से तनाव कम होता है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

डिजिटल डिटॉक्स करें: हर नोटिफिकेशन मस्तिष्क का ध्यान भंग करता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि फोन से अनावश्यक एप्स हटाएं, नोटिफिकेशन सीमित रखें, सुबह उठते ही मोबाइल न देखें, रात में सोने से एक घंटा पहले स्क्रीन बंद कर दें। सप्ताह में एक दिन नो-स्क्रीन डे रखें। इससे मस्तिष्क को लगातार मिलने वाली सूचनाओं का दबाव कम होता है।

निर्णयों की संख्या कम करें: दिन भर छोटे-छोटे निर्णय भी मानसिक ऊर्जा खर्च करते हैं। इसे डिसीजन फटीग कहा जाता है। इसे कम करने के लिए अगले दिन के कपड़े रात में ही निकाल लें। सप्ताह भर के भोजन की योजना पहले बना लें। कामों की सूची पहले से तैयार रखें। इससे दिमाग महत्वपूर्ण निर्णयों पर अधिक ऊर्जा लगा पाता है।

अधूरे काम पूरे करें: मनोविज्ञान में जीगार्निक प्रभाव नामक सिद्धांत बताता है कि अधूरे काम दिमाग में बार-बार आते रहते हैं। इसलिए छोटे काम तुरंत पूरे करें, बड़े कामों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें, हर पूरा काम सूची से काट दें। इससे मानसिक संतुष्टि मिलती है और क्लटर कम होता है।

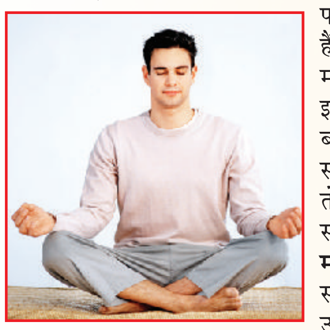

पर्याप्त नींद लें: नींद के दौरान मस्तिष्क पूरे दिन की जानकारी को व्यवस्थित करता है। कम नींद लेने पर ध्यान कम होता है, याद्दाश्त कमजोर होती है, मानसिक क्लटर बढ़ता है। अधिकांश वयस्कों के लिए प्रतिदिन 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद आवश्यक मानी जाती है।

शरीर को सक्रिय रखें: नियमित व्यायाम केवल शरीर ही नहीं, मस्तिष्क के लिए भी लाभदायक है। रोज 30 मिनट तेज चलना, योग, साइकिल चलाना, तैराकी। डब्ल्यूएचओ भी सप्ताह में कम-से-कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम की सलाह देता है।

अपनी भावनाएं व्यक्त करें: कई लोग अपनी परेशानियां मन में दबाकर रखते हैं। दबी हुई भावनाएं भी मानसिक क्लटर बन जाती हैं। इसलिए विश्वसनीय मित्र से बात करें, परिवार के साथ समय बिताएं, आवश्यकता हो तो साइको काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

मल्टीटास्किंग से बचें: एक साथ कई काम करने से उत्पादकता बढ़ती नहीं, बल्कि दिमाग एक काम से दूसरे काम पर जाता रहता है, इसे टास्क स्विचिंग कहते हैं। इसके बजाय एक समय में एक ही काम करें, पूरा ध्यान उसी पर दें, फिर छोटा-सा ब्रेक लें।

मेंटल बाउंडरीज तय करें: हर समस्या आपकी जिम्मेदारी नहीं होती। हर बहस में शामिल होना जरूरी नहीं। हर व्यक्ति को खुश रखना संभव नहीं। स्वस्थ मेंटल बाउंडरीज बनाना मानसिक शांति के लिए जरूरी है। *

(ब्रिटिश यूनिवर्सिटी, बहरीन में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

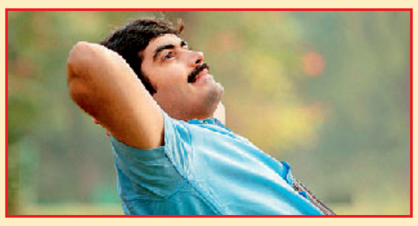

प्रकृति के साथ समय बिताएं

हरी घास, पेड़, पक्षियों की आवाज और खुला आसमान मस्तिष्क को शांत करते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि सप्ताह में कुछ समय प्राकृतिक वातावरण में बिताने से तनाव कम हो सकता है और मानसिक स्पष्टता बढ़ सकती है।

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. नीरज संदूजा
डायरेक्टर-वियान आई एंड रेटिना सेंटर, गुरुग्राम

अगर आपको डायबिटिक रेटिनोपैथी की समस्या है तो इसके इलाज में लापरवाही बरतने या देरी करने से दृष्टि के कमजोर होने या फिर लॉस होने का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसे में इस बारे में पूरी सावधानी बरतना जरूरी है।

आंखों के लिए हार्मफुल डायबिटिक रेटिनोपैथी

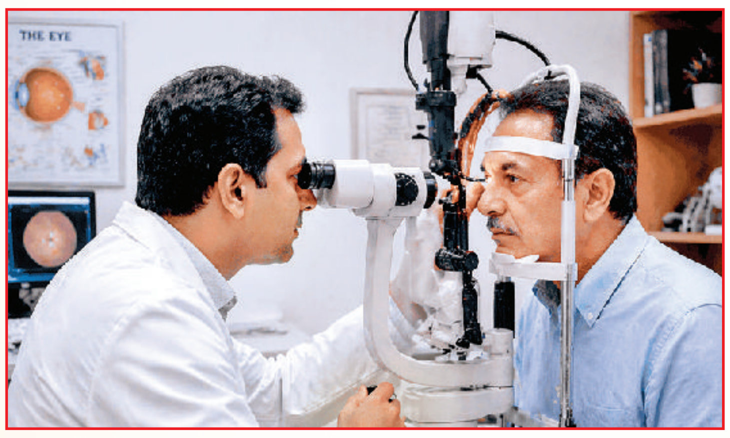

उच्च रक्त शर्करा (हाई ब्लड शुगर) का स्तर लंबे समय बाद आंखों की रेटिना को नुकसान पहुंचा सकता है। मधुमेह (डायबिटीज) के कारण रेटिना पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। रेटिनोपैथी के कारण आंखों की रेटिना में रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसल्स) को नुकसान पहुंचता है। रेटिनोपैथी के लक्षण आमतौर पर दोनों आंखों को प्रभावित करते हैं।

सचेत होना है जरूरी: मधुमेह से संबंधित रेटिनोपैथी की शुरुआती स्थिति में लक्षण सामने नहीं भी आ सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह समस्या तब तक दृष्टि में बदलाव लाना शुरू नहीं करती, जब तक कि क्षति अधिक गंभीर या आपकी रेटिना में व्यापक रूप से न फैल जाए। इसके बावजूद कुछ लक्षणों के सामने आने पर सचेत होना बेहतर रहेगा। इनमें शामिल हैं- आंखों के आगे काले धब्बे, जाल या धागे जैसे निशान घूमना। किसी व्यक्ति या वस्तु को स्पष्ट रूप से देखने में दिक्कत या धुंधला दिखना। रात में देखने की क्षमता का कमजोर होना। रंगों का फीका या धुंधला दिखना। दृष्टि धीरे-धीरे क्षीण होना।

कभी साफ तो कभी अचानक बहुत धुंधला दिखना। देखने के दायरे में खाली या काले घेरे महसूस होना।

कराएं डाइलेटेड आई एग्जाम: डायबिटीज से पीड़ित सभी लोगों को नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेकर आंखों की पूरी जांच, खासकर 'डाइलेटेड आई एग्जाम' (आंख की पुतली फैलाकर की जाने वाली जांच) करवाना चाहिए। 'डाइलेटेड आई एग्जाम' से लक्षण दिखने से पहले ही रेटिना में होने वाले बदलावों का पता लगाने में मदद मिलती है और मरीजों की आंखों में हुए शुरुआती नुकसान का पता लगाया जा सकता है। स्पष्ट है, ऐसी स्थिति में नेत्र विशेषज्ञ मरीज की आंखों की रोशनी पर दुष्प्रभाव पड़ने से पहले ही इलाज शुरू कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आंखों की रोशनी बचाने में बहुत मदद मिल सकती है।

बचाव के तरीके: डायबिटिक रेटिनोपैथी से बचाव भी संभव है। इसके लिए डायबिटिक पेशेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

कंट्रोल रखें ब्लड शुगर: शुगर को सामान्य रखना बीमारी को और अधिक बिगड़ने से रोकने का सबसे पहला उपाय है। अपने ब्लड शुगर और एचबीए1सी के स्तर को डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही सीमा में रखें।

नियमित जांच: साल में कम से कम एक बार नेत्र विशेषज्ञ से चेकअप कराएं और डायलेटड आई एग्जाम जांच कराएं।

नॉर्मल ब्लड प्रेशर: हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखें क्योंकि ये आंखों की नसों को नुकसान पहुंचाते हैं।

स्वस्थ जीवनशैली: रोजाना व्यायाम करें, वजन नियंत्रित रखें और पौष्टिक आहार लें। इस संदर्भ में अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

धूम्रपान से दूरी: सिगरेट या तंबाकू का सेवन पूरी तरह बंद कर दें, क्योंकि ये रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसल्स) पर तेजी से प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

दवाएं समय पर लें: डॉक्टर द्वारा दी गई डायबिटीज की दवा या इंसुलिन का सेवन बिना चूके सही समय पर करें।

इलाज के तरीके: डायबिटिक रेटिनोपैथी के ट्रीटमेंट के लिए कुछ तरीके उपलब्ध हैं।

इंट्राविट्रियल इंजेक्शन: आंख के पर्दे में अगर सूजन आ जाए तो इसको रोकने के लिए नेत्र विशेषज्ञ के परामर्श से एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन दिए जाते हैं।

लेजर उपचार (फोटोकोएगुलेशन): लेजर किरणों की मदद से लीक हो रही या कमजोर खून की नसों को सुखाया जाता है ताकि वे आंख में और अधिक नुकसान न पहुंचा सकें।

विट्रेक्टॉमी: जब आंख के अंदर बहुत अधिक खून भर जाए या पर्दा अपनी जगह से उखड़ने लगे (जिसे मेडिकल भाषा में रेटिनल डिटैचमेंट कहते हैं) तब इस प्रकार की सर्जरी की जाती है।

सही डाइट का करें सेवन: डायबिटिक रेटिनोपैथी के पेशेंट का खान-पान ऐसा होना चाहिए, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखे, आंखों की नसों को मजबूत बनाए और सूजन कम करे। जैसे-

- हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और ब्रोकली आदि को खानपान में शामिल करना लाभप्रद है। हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें।
- ओमेगा-3 से भरपूर चीजें जैसे अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड और फैटी फिश (जैसे सैल्मन या टूना) आंखों की रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में लाभप्रद हैं। इनका सेवन करें।
- जौ, बाजरा, रागी, ओट्स और मल्टीग्रेन आटे की रोटी का सेवन करें, जो शुगर को तेजी से नहीं बढ़ने देते।
- जामुन, संतरा, अमरूद और पपीता का सेवन करें, क्योंकि इन फलों में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी होते हैं।

क्या न खाएं: अगर आप डायबिटिक रेटिनोपैथी के पेशेंट हैं तो कुछ फूड्स का सेवन करने से बचें।

- मिठाइयां, कोल्ड ड्रिंक, पैकेट वाले फ्रूट जूस और शहद से दूर रहें।
- मैदा, सफेद ब्रेड, पास्ता और सफेद चावल खाने से बचें।
- चिप्स, जंक फूड्स और ज्यादा नमक वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

खबर संक्षेप

एनबीसीसी को मिला 780 करोड़ रुपए का बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी लिमिटेड को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से आंध्र प्रदेश में कार्यालय परिसर और अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवासीय परिसर के निर्माण के लिए 780.38 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। आरबीआई से 780.38 करोड़ रुपये का एक ऑर्डर मिला है।

इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग 2030 तक चार करोड़ नौकरियां करेगा पैदा : रिपोर्ट

हर साल भर्ती में 15 से 20 प्रतिशत बढ़ोतरी होने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- टैलेंट कंपनी एडेको इंडिया ने जारी की रिपोर्ट

भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले कुछ सालों में यह देश में रोजगार का बड़ा जरिया बन सकता है।

टैलेंट कंपनी एडेको इंडिया की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 तक ईवी इंडस्ट्री में 3 करोड़ से 4 करोड़ नई नौकरियां पैदा हो सकती हैं। इसके साथ ही हर साल भर्ती में 15 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, अब इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल सिर्फ कारों तक सीमित नहीं है। दोपहिया, कमर्शियल वाहन, बसें और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में भी ईवी की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से यह सेक्टर अब सिर्फ गाड़ियां बनाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बैटरी, चार्जिंग, रिसाइक्लिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा से जुड़ा एक बड़ा उद्योग बनता जा रहा है।

युवाओं को मिलेगी स्थाई नौकरियां

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शुरुआत में 40 से 50 फीसदी नौकरियां कॉन्ट्रैक्ट या फ्लेक्सी स्टाफिंग के रूप में मिल सकती हैं, जो बाद में स्थायी नौकरी में बदल सकती हैं। बैटरी रिसाइक्लिंग भी तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र बन गया है। वित्त वर्ष 2022 से 2026 के बीच इस बाजार में 55 फीसदी की सालाना औसत ग्रोथ दर्ज की गई है। वहीं, ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े क्षेत्रों में अगले 10 वर्षों के दौरान 45 फीसदी तक नई प्रतिभाओं की मांग बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट का कहना है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान के साथ ईवी सेक्टर का विस्तार भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता कम करेगा, ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाएगा और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद करेगा।

लोगों को मिलेगी डायरेक्ट जॉब

2030 तक बनने वाली कुल नौकरियों में 10 से 15 फीसदी युवाओं को सीधा फायदा मिलेगा, जबकि 85 से 90 फीसदी अप्रत्यक्ष रूप से ईवी सेक्टर से जुड़ेंगे। यानी सप्लाई चेन, सर्विस, चार्जिंग स्टेशन, बैटरी निर्माण, लॉजिस्टिक्स और दूसरे जुड़े क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होंगे। रिपोर्ट 100 से ज्यादा कंपनियों से मिली जानकारी के आधार पर तैयार की गई है। इसमें बताया गया है कि आने वाले समय में सिर्फ फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों की ही नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग, बैटरी टेक्नोलॉजी, एनर्जी सिस्टम, सेमीकंडक्टर, मोटर डिजाइन और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञों की मांग भी तेजी से बढ़ेगी।

वैश्विक पैसेंजर ईवी बाजार में भारत की हिस्सेदारी चार फीसदी

एडेको इंडिया के निदेशक दीपेश गुप्ता ने कहा कि भारत अभी पैसेंजर ईवी बाजार में दुनिया का करीब 4 फीसदी हिस्सा रखता है, जबकि इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में उसकी हिस्सेदारी 17 फीसदी है। उनका कहना है कि अगर भारत अपनी मैन्युफैक्चरिंग और कुशल कर्मचारियों की संख्या बढ़ाता है, तो वह वैश्विक ईवी सप्लाई चेन में और बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने बताया कि कई राज्य अब नई ईवी नीतियों को लागू कर रहे हैं।

कारोबारी गतिविधियां पिछले 53 महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़ीं

सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में साढ़े चार साल के निचले स्तर पर, नए ऑर्डर की रफ्तार सुस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार काफी धीमे रहे
- नए कारोबार में केवल मध्यम वृद्धि दर्ज की गई
- सूचकांक जून के 57.4 से घटकर जुलाई में 53.3 पर आ गया

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में घटकर करीब साढ़े चार साल के निचले स्तर पर आ गई। घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार के ऑर्डर धीमे पड़ने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और मांग कमजोर होने के कारण कारोबारी गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रही। एक मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) के अनुसार, कारोबारी गतिविधियां पिछले 53 महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़ीं। मांग कमजोर रहने और प्रतिस्पर्धी दबाव के बीच नए कारोबार में केवल मध्यम वृद्धि दर्ज की गई।

सेवा क्षेत्र में उत्पादन का विस्तार जारी

मौसम संबंधी उतार-चढ़ाव के आधार पर समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून के 57.4 से घटकर जुलाई में 53.3 पर आ गया। यह करीब साढ़े चार साल में वृद्धि की सबसे धीमी दर है। हालांकि, सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर से ऊपर बना रहा, जिससे यह संकेत मिलता है कि सेवा क्षेत्र में उत्पादन का विस्तार लगातार जारी है।

कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं

केवल छह प्रतिशत कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की जानकारी दी, जबकि 92 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनके कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ। भंडारी ने कहा कि नियुक्तियों में मध्यम सुधार हुआ, जबकि लागत दबाव कम होने और कंपनियों द्वारा बिक्री मूल्य बढ़ाने से लाभ मार्जिन में भी सुधार आया।

परिवहन लागत बढ़ने से सेवा क्षेत्र में दबाव

सर्वेक्षण के अनुसार, जुलाई में ईंधन, श्रम, कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और परिवहन लागत बढ़ने से सेवा क्षेत्र में लागत का दबाव बना रहा। हालांकि, निर्यात से मिलने वाले नए कारोबार ने सकारात्मक रुख बनाए रखा। कंपनियों ने संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका से कारोबार बढ़ने की जानकारी दी। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि जारी रखी।

नए कारोबार में वृद्धि फरवरी 2022 के बाद सबसे धीमी

एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, /''भारत का सेवा क्षेत्र जुलाई में भी बढ़ा, लेकिन इसकी रफ्तार कुछ धीमी रही। कई महीनों के मजबूत प्रदर्शन के बाद घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार की वृद्धि कमजोर पड़ी। सर्वेक्षण के अनुसार, नए कारोबार में वृद्धि फरवरी, 2022 के बाद सबसे धीमी रही।

ऑर्डर टाले जाने से वृद्धि प्रभावित

सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा, मांग में कमी, बाजार की कमजोर परिस्थितियों और ऑर्डर टाले जाने से वृद्धि प्रभावित हुई। जुलाई में नियुक्तियों की रफ्तार में कुछ सुधार हुआ। हालांकि, यह सुधार सीमित रहा।

रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 95.15 प्रति डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पश्चिम एशिया संकट के बीच लगातार चौथी बार नीतिगत रेपो दर को यथावत रखने के फैसले के बाद रुपया बुधवार को 13 पैसे मजबूत होकर 95.15 प्रति डॉलर पर रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रातभर आई गिरावट और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी से निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला।

सोना एक माह के उच्चतम स्तर पर, चांदी में 6200 रुपए की तेजी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी आई और यह एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। ऐसा वैश्विक स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में भारी उछाल के कारण हुआ। अखिल भारतीय सराफा संघ के मुताबिक, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,500 रुपये यानी 1.7 प्रतिशत बढ़कर 1,50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) हो गई। मंगलवार को यह 1,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससे पहले यह कीमती धातु छह जुलाई को इस स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी। उस समय यह 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। पिछले कारोबारी सत्र में स्थिर रहने के बाद चांदी की कीमतों में फिर से तेजी आई और यह 6,200 रुपये बढ़कर लगभग एक महीने के उच्चतम स्तर 2,32,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई।

मस्क द्वारा संचालित स्पेसएक्स को 54.1 करोड़ डॉलर का घाटा

- घाटा वॉल स्ट्रीट द्वारा लगाए गए अनुमानों से कम

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

सार्वजनिक कंपनी के रूप में अपनी पहली तिमाही रिपोर्ट में स्पेसएक्स ने घाटा दर्ज किया है। हालांकि, यह वॉल स्ट्रीट द्वारा लगाए गए अनुमानों से कम है। साथ ही कंपनी के राजस्व में जोरदार उछाल देखने को मिला है। कंपनी ने विशेष रूप से कृत्रिम मेधा (एआई) पर अपने खर्च में काफी बढ़ोतरी की है।

एलन मस्क द्वारा संचालित इस कंपनी को जून में समाप्त तिमाही के दौरान 54.1 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ, जो वित्तीय विश्लेषकों के अनुमान के आधे से भी कम है। कंपनी का राजस्व बढ़कर 7.8 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 90 प्रतिशत से अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का सबसे बड़ा नकदी स्रोत इसका ''कनेक्टिविटी'' कारोबार रहा, जिसमें राजस्व सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ा। इसकी वजह स्टारलिंक उपग्रह संचार सेवा के ग्राहकों की संख्या का दोगुना होकर 1.2 करोड़ पहुंचना रहा।

शेयर ने बढ़त का अधिकांश हिस्सा गंवाया विश्लेषकों के साथ बातचीत में मस्क ने कहा, ''इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी समय स्टारलिंक दुनिया के अधिकांश इंटरनेट की आपूर्ति करेगी।''

मंगलवार को नियमित कारोबार के दौरान स्पेसएक्स का शेयर नौ प्रतिशत चढ़ा, लेकिन बाजार बंद होने के बाद की कारोबारी अवधि में इसने बढ़त का अधिकांश हिस्सा गंवा दिया।

सियाम ने ई20 ईंधन से वाहनों को दिक्कत संबंधित पत्र वापस लिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सियाम ने पत्र पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को भेजा
- पहले पत्र में ईंधन से वाहनों में आने वाली दिक्कतों पर चिंता जताई थी

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को भेजा वह पत्र वापस ले लिया है, जिसमें ई20 ईंधन (20 प्रतिशत एथनॉल युक्त पेट्रोल) से होने वाले नुकसान और उससे वाहनों में आने वाली दिक्कतों पर चिंता जताई गई थी।

संगठन ने कहा है कि इस मामले में अभी और अधिक आंकड़े जुटाए जाने की आवश्यकता है। सियाम ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि संबंधित पत्र विभिन्न हितधारकों के बीच नियमित रूप से होने वाली तकनीकी चर्चाओं का हिस्सा था। इनमें उद्योग संगठन, पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी), वाहन विनिर्माता कंपनियां (ओईएम) तथा परीक्षण एजेंसियां शामिल हैं। संगठन ने कहा, ''पत्र में उद्धृत कुछ आंकड़ों के सत्यापन के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से विस्तृत आंकड़े एकत्र करने और हमारी सदस्य वाहन विनिर्माता कंपनियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। उसने कहा कि मीडिया में प्रकाशित संबंधित आंकड़ों का भी इसी प्रकार सत्यापन किया जाना जरूरी है। इसलिए सियाम अपना पहले भेजा गया पत्र वापस ले रहा है।

ई20 ईंधन में अत्यधिक नमी का मुद्दा उठाया था

इसके अलावा, सियाम के सदस्यों ने खुदरा बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध ई20 ईंधन में अत्यधिक नमी होने का भी मुद्दा उठाया था।

इंजन के पुर्जों में जंग लगने की बात कही

मीडिया की खबरों के अनुसार, अब वापस लिए जा चुके पत्र में सियाम ने कहा था कि जांच में पाया गया कि ई20 ईंधन से संबंधित समस्या वाले वाहनों में इस्तेमाल किए गए ईंधन में क्लोराइड की अधिक मात्रा के कारण इंजन के पुर्जों में जंग और घिसाव हुआ। पत्र में इंजन के पुर्जों पर क्लोराइड के अत्यधिक नुकसानदेह प्रभाव का भी उल्लेख किया गया था।

मणिपाल हेल्थ का शेयर 11 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का शेयर अपने निर्गम मूल्य 590 रुपये के मुकाबले 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 655 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 11.86 प्रतिशत चढ़कर 660 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 10.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 652 रुपये पर शुरुआत की।

एचटी मीडिया पहली तिमाही में शुद्ध मुनाफे में लौटी

HT Media Limited

नई दिल्ली। एचटी मीडिया लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 43.51 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी को 11.37 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 11.05 प्रतिशत बढ़कर 437.30 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 393.76 करोड़ रुपये थी। कंपनी की चेयरपर्सन एवं संपादकीय निदेशक शोभना भरतीया ने कहा, हमने नए वित्त वर्ष की शुरुआत स्थिर प्रदर्शन के साथ की है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

बिजली बंद की सूचना

कार्यपालन अभियंता (नगर) संभाग छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री.कं. लिमि कोरबा के अंतर्गत (एच.टी.एम.) उपसंभाग के समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि 132/33 के.व्ही. फीडरों में ट्रांसमिशन लाईन कासिंग कार्य कराने एवं रख-रखाव हेतु उनके समक्ष दर्शाये गये दिनांक एवं दिन अनुसार (एच.टी.एम.) उपसंभाग प्रातः 08:00 बजे से प्रातः 11:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

क्र.	दिनांक/दिन	132 के.व्ही. उपकेन्द्र का नाम	33/11 के.व्ही. फीडरों का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	06/08/2026 गुरुवार	132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र जमनीपाली दर्री	33 के.व्ही. दर्री-01 फीडर	एच.टी.पीएस. कन्वेयर बेल्ट उपकेन्द्र ।
2	06/08/2026 गुरुवार	132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र जमनीपाली दर्री	33 के.व्ही. दर्री-02 फीडर	एरिगेशन, दर्री ग्रामीण एवं कोहडिया उपकेन्द्र से निकलने वाले सभी 11 के.व्ही फीडर से संबंधित क्षेत्र सर्वमंगला नगर, पॉलीटेनीक कॉलेज, दर्री बस्ती एवं आस-पास के क्षेत्र ।

नोट:- 1. समयावधि में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है।
2. सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए हमें खेद है।

"विद्युत की बचत ही विद्युत का उत्पादन है"

S. 48666

कार्यपालन अभियँता (नगर) संभाग
छ.स्टे.पॉ. डिस्ट्री.कं.लि., कोरबा

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक / डॉ.भी.अ.चि. / क्रय /2026/10853 रायपुर दिनांक 03/08/2026

"ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना"

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के लिए ANTI CANCER DRUG & EDL & NON EDL औषधियों एवं सामग्रियों के लिए ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर निम्नानुसार देखा जा सकता हैं।

DETAIL	BID SUBMISSION START DATE	BID DUE DATE	PHYSICAL FDR SUBMISSION END DATE	BID OPEN DATE (SCHEDULED)
190913 ANTI CANCER DRUG & GENERAL MEDICINE	06 AUG 2026 5:30:00 PM IST	07 SEP 2026 12:00:00 PM IST	07 SEP 2026 12:30:00 PM IST	07 SEP 2026 01:00:00 PM IST

G. 262702573/1

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय
रायपुर (छ. ग.)

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा), जिला उत्तर बस्तर कांकेर

क्रमांक/1071 /आ.वि/ प्रयास/2026-27 कांकेर, दिनांक 03/08/2026

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर के कक्षा 9वीं से 12वीं में अध्यापन सह कोचिंग कार्य हेतु फैकल्टी की व्यवस्था के लिए पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से "रूचि की अभिव्यक्ति" (वर्ष 2026-27)

तृतीय आमंत्रण

आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर के पत्र क्रमांक / ADV/481/2026-PRAYAS ST & SC HOD नवा रायपुर अटल नगर दिनॉक 04.06.2026 में दिए गए निर्देश अनुसार मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा प्रयास आवासीय विद्यालय योजना (संशोधित) नियमावली के तहत जिले में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर में कक्षा 9वीं से 12वीं में शालेय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ अखिल भारतीय स्तर की इंजीनियरिंग तथा मेडिकल की परीक्षाओं यथा एनटीएसई, विज्ञान पहेली, जेईई (मेन्स/एडवांस), एम्स, नीट, पीईटी हेतु आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराये जाने की योजना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु 'रूचि की अभिव्यक्ति' ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल के माध्यम आमंत्रित की जाती है

क्र.	संस्था का नाम	वर्ष	कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या (परिवर्तनीय)	संकाय	भण्डार क्रय नियम यथा संशोधित 2022 के उप नियम-4.7 में प्रावधान अनुसार 1% अमानत राशि
1	प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर	2026-27	9वीं	50 बालक + 50 कन्या (कुल 100	गणित एवं जीव विज्ञान संकाय (जेईई मेन्स, एडवांस, नीट एवं समकक्ष)	3,00,000/-रू.
		2027-28	10वीं			
		2028-29	11वीं			
		2029-30	12वीं			

(i) रूचि की अभिव्यक्ति के ऑनलाईन प्रदर्शन की तिथि	03/08/2026 सायं 05.00 बजे से
(ii) रूचि की अभिव्यक्ति के संबंध में PreBid Meeting	06/08/2026, अपरान्ह 04.00 बजे
(iii) निर्धारित प्रपत्र में प्रस्ताव ऑनलाईन प्रेषित करने की अंतिम तिथि	13/08/2026, रात्रि 12.00 बजे तक
(iv) अमानत राशि के रूप में FDR की मूल प्रति जमा करने की अंतिम तिथि	17/08/2026 सायं 05.00 बजे से
(v) प्राप्त प्रस्ताव को समिति के समक्ष खोला जाना एवं तकनीकी मूल्यांकन	18/08/2026, अपरान्ह 03.00 बजे
(vi) रूचि की अभिव्यक्ति संबंधी अन्य कार्यवाही / जानकारी की सूचना	पृथक से दी जायेगी।

अन्य कार्यवाही की सूचना संबंधित प्राधिकारी / चयन समिति द्वारा पृथक से दी जावेगी। ऑनलाईन निविदा क्रमांक 196491 की विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में अवलोकन कर सकते हैं ।

जी-262702590/2

कलेक्टर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर

Chhattisgarh Rural Roads Development Agency
VIKASH BHAVAN, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

NIT No. 1171,1172, 1173/TC-T/CGRRDA/2026 Raipur Dated 05/08/2026

Chief Engineer, CGRRDA, Raipur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for Construction & Maintenance Road & Bridge work (SCA Fund), Construction & Maintenance of Long Span Bridges PM-JANMAN, Construction & Maintenance of Long Span Bridges budget 2025-26, PMGSY Road PM-JANMAN Balance work, sanctioned for districts of the state as per B.O.Q. from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

S. No	NIT No	Work Name	Amount (Rs. In Lakhs)	Districts	Rate invited
1	1171	Construction & Maintenance of Long Span Bridge (SCA Fund)	Total Cost 777.70 Lakhs (Excluding GST) (Const.Cost 758.73 Lakhs, Maint.Cost 18.97 lakhs)	Sukma	SOR PWD Bridge enforced from 01.01.2015 with 10% Below applicable for CGRRDA & Approach road PMGSY SOR 22.02.2018
2	1172	Construction & Maintenance of Long Span Bridges PM-JANMAN	Total Cost Rs 1987.76 Lakhs (Const. Cost 1948.73 Lakhs, Main Cost 39.13 lakhs.) (Excluding GST)	Balrmapur, Gariyaband,	SOR PWD Bridge enforced from 01.01.2015 with 10% Below applicable for CGRRDA & Approach road PMGSY SOR 22.02.2018
3	1173	Construction & Maintenance PM-JANMAN Balance work	Total Cost Rs 112.93 Lakhs (Const. Cost 102.13 Lakhs, Main Cost 10.80 lakhs.) (Excluding GST)	Dhamtari	Percentage Rate of PMGSYSOR 22.02.2018 issued by CE,CGRRDA Raipur

Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in https://eproc.cgstate.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Detailed NIT and other details can be viewed our on website https://eproc.cgstate.gov.in from 07.08.2026 from 5:30 PM & onwards. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of this website.

S. 48669

Chief Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Civil Lines, Raipur (C.G.)
E-mail: pmgsyrc4@yahoo.co.in

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in KORBA

NIT No: 537./2026 Dated: 30.07.2026

SN	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract
1.	196483 (1st Call)	CONSTRUCTION OF BOX CRICKET AT ZONE-2 IN STADIUM MUNICIPAL CORPORATION, KORBA (C.G.)	Rs. 158.58 Lakh

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 30.07.2026 at 15.30 Hours. (IST) onwards.

Superitending Engineer
Municipal Corporation,
Korba (C.G.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र./ सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख मे)
80/ 195203	S.R./Mow & Deposit Work of Residential & Non Residential Building at Arang Section No.-1, Under Sub Division No.-4 (Arang), Raipur (C.G.)	रु. 50.00 लाख
87/ 195204	Special Repair, M.O.W., Annual Repair Works for B1 & B2 Type Higher Residential Officer Bunglows at Sector-18 under PWD Navin Sub Division Sector-18, Nava Raipur (C.G.)	रु. 99.99 लाख
89/ 195322	SR/Mow Work of Various Govt. Buildings of Kharora Section, Raipur (C.G.)	रू. 25.00 लाख
68/ 195390	Annual Repair & Ordinary Maintenance Work for B1 & B2 Type Bunglows of Higher Officers Residential of Sector-18 P.W.D. Navin Sub Division Nava Raipur (C.G.)	रू. 40.00 लाख
69/195393	Annual Repair & Ordinary Maintenance Work for Different C-Type of Buildings Under P.W.D. Engineering College Sub Division Nava Raipur (C.G.)	रू. 40.00 लाख
105/195957	S/R, MOW Work at B.Sc. Nursing College and Mahila Jail Section Under Construction Sub Division No-2, Raipur (C.G.)	रु. 30.00 लाख
107/ 195958	S/R, MOW Work at Female & Male I.T.I. Section Under Construction Sub Division No-2, Raipur (C.G.)	रू. 30.00 लाख
106/ 195959	S/R, M.O.W. Work for Residential and Non Residntial Building at Kutchery Section Under Const. Sub Division No-2, Raipur (C.G.)	रु. 50.00 लाख
96/ 195960	SR, MOW and Deposit Work in Various Govt. Building at Siliyari Section No. 01 & 02, Raipur (C.G.)	रू. 35.00 लाख
108/ 195961	Balance Work for Construction of Guard Room (Double Story) & 2 Nos. Morcha at State Hangar Mana, Raipur Chhattisgarh.	रु. 76.63 लाख
110/ 195973	Construction of Rest House For Honorable Judges of Chhattisgarh High Court (Furniture Work) at Civil Lines, Raipur (C.G.)	रू. 90.76 लाख
117/ 196532	White Washing, Painting & Distempering in Science College Auditorium Building, Raipur (C.G.)	रू. 20.00 लाख
118/ 196533	White Washing, Painting & Distempering Work in Various Govt. Buildings of Siliyari Section No-01 & 02, Raipur (C.G.)	रू. 20.00 लाख
99/ 196534	Special Repair Work of Various Road & Culverts of Vidhansabha Sub-Division, Raipur (C.G.)	रू. 30.00 लाख
62/ 196537	Pot Holes, WMM Repair & other Maintenance Work to Various Roads Under Maintenance Sub-Division, Raipur	रू. 11.00 लाख
122/ 196540	White/Colour Washing of Various Residential and Non Residential Building Under Sub Div., Tilda-Neora, Block-Tilda, Distt.-Raipur (C.G.)	रू. 20.00 लाख

निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 17.08.2026 समय सायं 5:30 बजे तक उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

जी-262702586/6

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग
रायपुर मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.)

छात्राओं पर अश्लील टिप्पणियां संवेदनशील स्कूलों की सूची बनाने खत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

विद्यालयों में छुट्टी के बाद छात्राओं पर असामजिक तत्वों द्वारा की जाने वाली टीका-टिप्पणियों को लेकर छात्र संगठन एनएसयूआई ने अपनी शिकायत दर्ज कराई है। रायपुर कमिश्नर को लिखे गए खत में इसके समाधान की मांग छात्रों ने की है।

- स्कूल की छुट्टी के समय नियमित पुलिस पेट्रोलिंग की मांग

एनएसयूआई का कहना है कि नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो चुका है। जिन स्कूलों में नवमी से बारहवीं तक की छात्राएं अध्यनरत हैं, वहां स्कूल के बाहर सामाजिक तत्व समूह बनाकर बैठे होते हैं। छात्रों के स्कूल से घर आने-जाने वाले रास्ते पर उनका जमावड़ा होता है और वे छात्राओं पर अश्लील टिप्पणी भी करते हैं। इसकी जानकारी छात्राएं संकोच के कारण स्कूल तथा अपने घर में नहीं देती हैं। कार्रवाई नहीं होने पर असामाजिक तत्वों का मनोबल और बढ़ जाता है। एनएसयूआई ने विशेषकर संवेदनशील स्कूलों की सूची बनाने की मांग की है।

200 मीटर का दायरा हो नशामुक्त

एनएसयूआई ने मांग करते हुए कहा, पुलिस प्रशासन द्वारा छुट्टी होने पश्चात नियमित रूप से पुलिस पेट्रोलियम की गाड़ी चलाई जाए एवं बदमाशों को चिन्हित कर उन पर उचित कार्यवाही की जाए जिससे छात्राएं अपने आप को सुरक्षित महसूस करें और बिना किसी मानसिक प्रताड़ना पढ़ाई कर सकें। स्कूल सुरक्षा निगरानी समिति का गठन करने की मांग छात्रों ने की, जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, शिक्षा विभाग, स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों शामिल रहें और मासिक रूप से समीक्षा करें। स्कूल के 100–200 मीटर दायरे में नशा और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग भी की गई। इस दौरान एनएसयूआई ग्रामीण अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी, विशाल कुकरेजा, प्रशांत चंद्राकर, शिवांक सिंह, संयम सिंह, आशीष तिवारी, दिव्यांश श्रीवास्तव व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होटल-रेस्त्रां की बगैर अनुमति डिस्काउंट दे रहे स्विगी-जोमैटो, इसलिए 300 की बिरयानी 150 रुपए में!

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी सहित प्रदेशभर के रेस्त्रां व कैफे संचालक स्विगी और जोमैटो की नीतियों की परेशान हो गए हैं। अब इन दोनों ही ऑनलाइन फूड प्लेटफॉर्म के बहिष्कार की तैयारी कर रहे हैं। रेस्त्रां और होटल संचालकों का कहना है कि जोमेटो और स्विगी अपने ऐप पर खाने में बड़े पैमाने पर डिस्काउंट देती है। डिस्काउंट की घोषणा करने से पहले वे उनसे अनुमति भी नहीं लेते हैं। 300 रुपए की बिरयानी उन्हें 150 रुपए में बेचनी पड़ रही है। ऐसा प्रत्येक व्यंजन के साथ हो रहा है। इससे वे नुकसान में जा रहे हैं। विरोध करने पर वे ऐप से बाहर करने की धमकी देने लगते हैं।

ये बातें बुधवार को हुई छत्तीसगढ़ रेस्टोरेंट एवं कैफे एसोसिएशन की बैठक में होटल संचालकों ने कही। जोमेटो और स्विगी प्रबंधन के तानाशाही रवैए के बाद अब संघ बहिष्कार जैसे कड़े निर्णय लेने की तैयारी कर रहा है। रायपुर के खम्हारडीह स्थित एक निजी क्लब में यह बैठक आयोजित हुई। गौरतलब है कि रायबरेली और बेंगलुरू में भी इसी मुद्दे को लेकर जोमेटो और स्विगी का विरोध किया जा रहा है।

एनालॉग पनीर का इस्तेमाल नहीं

छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा निगरानी और जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। इस संदर्भ में भी होटल संचालकों को जानकारी दी गई। बैठक में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी विनोद गुप्ता ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों को नए नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा, किसी भी परिस्थिति में एनालॉग पनीर का उपयोग न किया जाए। उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना प्रत्येक प्रतिष्ठान की जिम्मेदारी है। एसोसिएशन ने इनका पालन करने की बात कहते हुए ग्राहकों से भी अपील की, यदि उन्हें किसी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता को लेकर संदेह हो तो संबंधित विभाग को सूचित करें।

विज्ञापन में भी मनमानी

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के कमीशन, प्रमोशनल खर्च, भुगतान में कटौतियों तथा अन्य एकतरफा नीतियों को लेकर भी संचालकों ने अपनी चिंताएं साझा की। होटल और रेस्त्रां संचालकों का आरोप है कि फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म को निर्धारित राशि दिए जाने के बाद भी उनके होटल को उचित स्थान ऐप में नहीं देते हैं। जहां से उन्हें विज्ञापन प्राप्त होता है, केवल उन्हीं के नाम ऊपर प्रदर्शित होते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ट्रेन से पहुंची...

का मुंह ताकते रहे। बाद में नियमों के आधार पर राज्य शासन की खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने इस पनीर को सीज कर जांच के लिए सैंपल उठाया है। मिल्क पावडर और पॉम आयल से बनाए जाने वाले एनालॉग पनीर पर राज्य शासन ने पिछले दिनों प्रतिबंध लगाया था, जिसके बाद इसके चोरी-छिपे सप्लाई और बिक्री का दौर शुरू हो गया है। सोमवार को 100 किलो के बाद बुधवार को सुबह करीब 500 किलो पनीर पकड़ा गया। यह पनीर अमरकंटक एक्सप्रेस में भोपाल से भेजा गया था जिसे रायपुर में उतारा गया। करीब दस पेटियों में छोटे-छोटे पैकेट में मिल्क-सॉलिड नामक पनीर मौजूद था जिसके एनालॉग होने का संदेह है। माना जा रहा है कि इस पनीर को विभिन्न साधनों से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ ओडिशा में खपाया जाना था। बताया जाता है कि करीब दस बजे ट्रेन से उतारे गए पार्सल को रोका गया मगर उस पर कार्रवाई के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा रेलवे के खाद्य सुरक्षा अधिकारी आपस में मुंह ताकते रहे। एफडीए टीम का तर्क था कि पनीर रेलवे स्टेशन में पकड़ा गया है इसलिए कार्रवाई रेलवे के एफएसओ को करनी चाहिए। रेलवे के अधिकारियों का तर्क था कि उनकी जिम्मेदारी रेलवे स्टेशन में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की होती है। इसलिए जब्ती और सैंपलिंग की कार्रवाई राज्य शासन की टीम को करनी चाहिए। इसी उधेड़बुन में करीब चार घंटे बीतने के बाद एफडीए की टीम ने पनीर को जब्त सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। पनीर का संबंध मध्यप्रदेश के किस व्यापारी से हैं और छत्तीसगढ़ किसके आर्डर पर पहुंचा था इस बारे में कुछ सुराग नहीं मिल पाया है।

छग में एआई मिशन...

के इंडिया एआई मिशन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। **बीईएमएल को सस्ती दर पर जमीन:** मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड(बीईएमएल) को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और राज्य में आधुनिक भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी।

लोक निर्माण में...

गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। सी-डैक पुणे द्वारा विकसित इस प्रणाली को पहले लोक निर्माण विभाग में लागू किया जाएगा, जिसके बाद अन्य निर्माण एवं अधोसंरचना विभागों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान की प्रक्रिया तेज होगी, कार्यों की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी और परियोजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनेगा।

अंजोर विजन के...

तथा छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अनुरूप प्राथमिकता आधारित परियोजनाओं की पाइपलाइन तैयार की जाएगी। इसके लिए परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना की जाएगी। यह परियोजना पूर्णतः अनुदान आधारित होने से राज्य पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा तथा इससे संस्थागत क्षमता निर्माण, निवेश संवर्धन और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति को गति मिलेगी।

हरिभूमि-आईएनएच का...

सिंह जूदेव, जिला भाजपा अध्यक्ष टीकेश्वर गबेल, पूर्व विधायक केशव चंद्रा, पूर्व विधायक डॉ. खिलावन साहू, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष कृष्णकांत चन्द्रा, सभापति जिला पंचायत आयुष शर्मा, जिला कांग्रेस के प्रवक्ता दिगंबर प्रसाद चौबे, कांग्रेस जिला अध्यक्ष रश्मि गबेल, नगर पालिका शक्ति के अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल, पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, एसपी प्रफुल्ल ठाकुर, सीईओ वाशु जैन, डा.श्याम चंद्रा, मुकेश बंसल, मांगेराम अग्रवाल, कंवलधर साहू शामिल होंगे।

भालू के हमले...

लोगों की मौत हुई है। ग्राम लारगांव मरकाटोला के बरपारा निवासी 42 वर्षीय हलालखोर जुर्री 5 अगस्त बुधवार सुबह बैल चराने के लिए गांव में खेत की ओर गए थे। इसी दौरान उस पर अचानक भालू ने हमला कर दिया। भाई की चीख-पुकार सुनकर उसकी बहन चमरीन बाई मौके पर पहुंची और उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन भालू ने उस पर भी हमला कर दिया। हमले में भाई और बहन दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उनकी छोटी बहन खोरिन बाई भी सहायता के लिए पहुंची, जिस पर भी भालू ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल युवती को जिला अस्पताल कांकेर लाया गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रायपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद भालू शाम चार बजे तक दोनों शवों के पास ही बैठा रहा और शव को उठाने नहीं दिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना रहा। भालू के तेवर को देखते हुए रेस्क्यू के लिए रायपुर से टीम बुलाई गई। शाम करीब साढ़े चार बजे पहुंची रेस्क्यू टीम ने ट्रैंक्विलाइजर गन से भालू को बेहोश करके पकड़ लिया। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल कांकेर भेजा गया। **सिहारीनाला के बुर्जुग भी हुआ भालू का शिकार:** दूसरी घटना नरहरपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम सिहारीनाला में हुई। यहां देवबली राम ध्रुवा बुधवार सुबह अपने खेत जाने के लिए निकले थे। घर और खेत के बीच स्थित जंगल में घात लगाए बैठे भालू ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोपहर तक घर वापस नहीं लौटने पर उनका पुत्र उन्हें खोजने निकला, जहां रास्ते में उनका शव मिला। सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरहरपुर भेजा गया।

पश्चिम एशिया तनाव...

कारण महंगाई का दबाव व्यापक स्तर पर फैलने का जोखिम बना हुआ है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष और व्यापार तनावों के कारण बढ़ी वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की जीडीपी वृद्धि मजबूत बनी हुई है। घरेलू मांग में मजबूती, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की बेहतर गतिविधियों तथा मजबूत निर्यात से आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिल रहा है। केंद्रीय बैंक का ब्याज दरों और मौद्रिक नीति के रुख पर अगला फैसला आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। आरबीआई आर्थिक परिदृश्य को लेकर सतर्क भी है। दक्षिण-पश्चिम मानसून, अल नीनो की स्थिति, वैश्विक घटनाक्रम और वैश्विक व्यापार नीतियों से जुड़े जोखिमों के कारण आर्थिक परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय बैंक का मुख्य लक्ष्य मध्यम अवधि में खुदरा महंगाई को चार प्रतिशत के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लाना है। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया। इसके साथ ही आरबीआई ने ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा की बढ़ी लागत के साथ भविष्य में महंगाई के रुख को लेकर अधिक स्पष्टता को लेकर इंतजार करने का विकल्प चुना।

29 वर्ष पश्चात...

मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन में अतिगंड योग और सौम्य योग बन रहा है। इसके अलावा इस दिन संस्कृत दिवस भी मनाए जाने की परंपरा है।

डीईओ कार्यालय पहुंची...

के नेतृत्व में जांच दल मंगलवार को रामानुजगंज स्थित डीईओ कार्यालय पहुंचा। टीम को कार्यालय के भंडार गृह का भौतिक सत्यापन करना था, लेकिन भंडार प्रभारी लिपिक के अवकाश पर होने का हवाला देकर सत्यापन नहीं कराया गया। अधिकारियों का कहना है कि अवकाश की स्थिति में किसी अन्य कर्मचारी को प्रभार दिया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। डीईओ से सहयोग मांगा गया, पर जांच आगे नहीं बढ़ सकी और टीम को बिना सत्यापन के लौटना पड़ा। शिकायत के अनुसार 25 नवंबर 2025 से 26 मार्च 2026 के बीच फर्नीचर, स्टेशनरी, खेल सामग्री और अन्य वस्तुओं की खरीदी के नाम पर 4 करोड़ 53 लाख 14 हजार 992 रुपये का भुगतान किया गया। आरोप है कि कई मामलों में एक ही दिन अलग-अलग मदों में लाखों रुपये का भुगतान किया गया, जिससे वित्तीय अनियमितता की आशंका और गहरा गई।

शराब दुकान से...

देशी शराब दुकान पर कार्रवाई करने का है। **धमतरी में शराब जब्ती से खुली परतें**- विभागीय आदेशों के अनुसार 25 जुलाई 2026 को धमतरी जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने 53 पेटी देशी और विदेशी शराब जब्त की थी। इसके बाद आबकारी विभाग ने शराब की बोतलों पर लगे होलोग्राम और अन्य अभिलेखों की जांच की। जांच में यह पाया गया कि जब्त शराब बलौदाबाजार जिले के लटुवा स्थित सरकारी देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान से निकली थी। जांच में संबंधित दुकान से निर्धारित सीमा से अधिक थोक बिक्री किए जाने का मामला सामने आया। आदेश में कहा गया है कि दुकान की निगरानी और नियंत्रण में गंभीर शिथिलता रही, जिसके कारण शराब का अवैध परिवहन और उपयोग संभव हुआ।

दुकान से अवैध...

से अधिक मात्रा में शराब की बिक्री किए जाने और निगरानी में गंभीर लापरवाही के आरोप पाए गए। इस मामले में एक उपनिरीक्षक को सस्पेंड किया गया है, इसके साथ ही सहायक जिला आबकारी अधिकारी पर कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।एक अन्य मामले में बलौदाबाजार जिले आबकारी उप निरीक्षक पी माधव राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

दो उप निरीक्षक...

उड़नदस्ता, दुर्ग रहेगा। एक अन्य मामले में बलौदा बाजार जिले के आबकारी उप निरीक्षक पी. माधव राव को निलंबित किया गया है। मामला ये है कि स्थानीय जन प्रतिनिधि ने रोहांसी की विदेशी शराब दुकान में अधिक दर पर शराब की बिक्री की शिकायत की थी। इसकी जांच राव को सौंपी गई थी। उन्होंने विदेशी की जगह देशी शराब दुकान में अधिक कीमत पर शराब बिक्री का प्रकरण कायम किया और कार्रवाई कर दी। आरोप है कि उन्होंने मूल शिकायत को नजर अंदाज किया। इस कार्रवाई को लेकर जनप्रतिनिधियों की ओर से असंतोष जाहिर किया गया था। इसके बाद जब ये अधिकारी देशी कंपोजिट मदिरा दुकान में जांच करने गए तो वहां सीसीटीवी कैमार की रिकॉर्डिंग में गड़बड़ी पाई गई। लेकिन माधव राव ने सीसीटीवी में सुधार करने के संबंध में कभी सूचित नहीं किया।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु होटल स्टॉफ की आवश्यकता है। सैलरी 10000 से 40000 तक सम्पर्क करें होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 (41572)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में ड्राइवर कि आवश्यकता है जो ऑटोमैटिक Desire और WagonR चला सके सम्पर्क करें- 9893285943, 9229858916 (41573)

आवश्यकता है- स्टॉक पैकिंग और डिस्पेचिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मीनाक्षी स्टील एजेन्सी पुराना हाईकोर्ट के सामने बिलासपुर 96699 16000 (41561)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41535)

आवश्यकता है- अनुभवी नशा मुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 15000 सम्पर्क करें- सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल में, सदर बाजार, करोना चौक बिलासपुर 957504281 (41527)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 88188 77406, 9644433021, 07752-337082 (41563)

आवश्यकता है- सोलर पेंनल की मार्केटिंग एवं सेल्स के लिए सेल्समेन एवं एजेंट की आवश्यकता है संपर्क- रितेश ट्रेडर्स सोलर सीएलसी प्लाजा रतन लस्सी के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 9438283438 (41562)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वाय चाहिए योग्यता 10वीं, वेतन 9000-10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड बिलासपुर (41565)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित पुस्तक दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 98271-16257 (41564)

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर स्टाफ (Female) दो पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- अर्पण शुगर क्लीनिक, होम गार्ड ऑफिस के सामने कुदुदण्ड बिलासपुर 9827492030, 84353 60206 (41569)

आवश्यकता है
(1) प्रशिक्षण अधिकारी- 10 पद (इले. ITI., डिप्लोमा इले. बीई. मैकेनिकल, डिप्लोमा मैकेनिकल)
(2) कम्प्यूटर आपरेटर- 5 पद (PGDCA, MCA, BCA)
(3) प्यून- 5 पद (10वीं पास)
साक्षात्कार- 08/08/2026 दिन शनिवार (10.30 से 4 तक)
सम्पर्क करें- न्यू महाराणा आई.टी.आई. लोधीपारा पुराना सरकंडा बिलासपुर
9203914561
9425225997

आवश्यकता है-CCTV कैमरा/ डीटीएच फिटिंग, ऑफिस में हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग, कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के, लड़कियां और जनरल शॉप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क- निशानियां मार्केटिंग जूनी लाईन बिलासपुर 91310 42929, 7000209331 (3188)

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है। वेतन 6500 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद ब्रूबेरी कैफे एंबियन्स बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने बिलासपुर 7987926453, 07752490692 (41566)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी भर्ती पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र- 18-42 सैलरी- 26500 -42500 आवेदन हेतु मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप/ कॉल करे- 9005465772 (118)

आवश्यकता है-सीएमडी चौक, बिलासपुर स्थित फर्नीचर शोरूम में कार्य करने हेतु एक लड़के की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवार को प्राथमिकता। मिलने का समय दोपहर 12बजे से शाम 4बजे सम्पर्क करें- 9300611049 (41555)

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सैलरी 10000 से 15000 एवं रिसेप्शनिस्ट- 1पद सैलरी 6000, सम्पर्क करें- शॉप नं.-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790 7806007192 (41529)

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में बीजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। वेतन- 10000 से प्रारम्भ सम्पर्क करें- हरिभूमि के पास गौरव पथ, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर (41557)

आवश्यकता है-Bengal Sweets फैक्ट्री में एक कुक, एक बर्तन साफ करने वाले, एक चाट वाले की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। रहने, खाने की सुविधा है। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9343335328 (41556)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

आवश्यकता है- अनुभवी सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की आवश्यकता है साड़ी, मेंस, किड्स एवं सूट सेक्शन हेतु। 1% कमीशन+ आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- कृष्णा प्रीमियम, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7566285241 (41570)

आवश्यकता है-टायर दुकान में काम करने हेतु युवक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सिन्ध ऑटो स्टोर्स गांधी चौक बिलासपुर (41554)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में काम करने हेतु मेहनती युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- प्रकाश इन्टरप्राइजेस सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर 9329955344 (41559)

बेचना है

बेचना है-(1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्रीकास्ट बाउंड्री सहित (2) भारतीय नगर माधौ तालाब पास 1100 वर्गफीट (3) भारतीय नगर अयप्पा मन्दिर के पास प्लांट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा प्लाट 70 डिसमिल 300 फीट फ्रंट (5) पेंड्रीडीह बोड़सरा में 19 डिसमिल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9479169997 (41560)

बेचना है-शहर के पॉश एरिया रिंग रोड नं-2 में स्वर्ण जयंती नगर गणेश हेरिटेज में सर्वसुविधायुक्त 3BHK फर्निश्ड फ्लैट 4th floor में (पार्किंग सुविधा उपलब्ध) सम्पर्क करें- 8120751000, 9981163443 (1500)

बेचना है-बिलासपुर नया हाईकोर्ट के पास काली ढाबा के सामने 5168 वर्गफुट प्लॉट एवं मोपका में कमर्शियल डायवर्सन किया हुआ 2500 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें 78988 55268 (ब्रोकर क्षमा करें) (41541)

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 25 लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infra-homes construction हेमूनगर मुर्राभट्ठा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 27 लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क-JBS infr-homes construction हेमू नगर मुर्राभट्ठा तोरवा 93000 00195 (41538)

किराया

किराया- 2BHK सर्व सुविधा युक्त फ्लैट सेकेण्ड फ्लोर अजीत अपार्टमेन्ट करबला बिलासपुर में फैमली को किराये से देना है। सम्पर्क करें- 9425236552, 8319983690 (41571)

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

भारत में प्रैक्टिस मैच नहीं खेलेगी ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी सीरीज

ऑस्ट्रेलिया टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि उनकी टीम अगले वर्ष भारत के खिलाफ होने वाली बहुचर्चित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी। उनका मानना है कि उपमहाद्वीप जैसी परिस्थितियों में छोटा तैयारी शिविर टीम के लिए अधिक उपयोगी साबित होगा। पांच टेस्ट मैचों की यह बहुप्रतीक्षित श्रृंखला 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत में पिछली बार 2004-05 सत्र में टेस्ट श्रृंखला जीती थी। इसके बाद से वह भारतीय सरजमीं पर कोई टेस्ट श्रृंखला अपने नाम नहीं कर सका है।

कुहनेमैन मर्फी संभावित खिलाड़ियों में शामिल

रिपोर्ट के अनुसार मैथ्यू कुहनेमैन, टॉड मर्फी, कूपर कोनोली, पीटर हैंड्सकॉम्ब और मैथ्यू रेनशॉ भारत दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों में शामिल हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। भारत की परिस्थितियों के अनुरूप कुछ अलग कौशल वाले खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। इसलिए जरूरी नहीं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में शामिल टीम ही भारत दौरे पर जाए। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता होगी और इसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में ही कर दी जाएगी।

हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे : मैकडोनाल्ड

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हमें लगता है कि परिस्थितियों के अनुरुप खुद को ढालने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इसलिए हम कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे। हमारा पूरा ध्यान ऐसी जगह तैयारी करने पर होगा, जहां भारत जैसी परिस्थितियां मिल सकें। उन्होंने बताया, ' टीम के सामने दो विकल्प हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले संयुक्त अरब अमीरात में भी तैयारी कर चुका है और 2023 के भारत दौरे से पहले बेंगलुरु में शिविर लगाया था। फिलहाल टीम प्रबंधन इस बात पर विचार कर रहा है कि खिलाड़ियों की तैयारी के लिए कौन-सा विकल्प सबसे उपयुक्त रहेगा।'

विश्वकप 2027: क्वालीफायर की तारीखें आई सामने

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईसीसी ने अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आईसीसी ने ये मैच फरवरी और मार्च के बीच कराने का शेड्यूल बनाया है। टूर्नामेंट का फॉर्मेट पहले ही बताया जा चुका है और इसके रोमांचक होने की उम्मीद है, लेकिन क्वालिफायर के वेन्यू (जगहें) अभी तय नहीं हुए हैं। 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी जोरों पर है। यह पक्का हो गया है कि क्वालिफाइंग मैच लगभग एक महीने तक, 22 फरवरी से 23 मार्च के बीच खेले जाएंगे। इन मैचों से तय होगा कि कौन सी टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। हालांकि वर्ल्ड कप की सही तारीखों का अभी आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 11 नवंबर के बीच होगा। इस टूर्नामेंट की मेज़बानी साउथ अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे और इन देशों के 12 स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे।

ऐसा होगा क्वालिफाइंग फॉर्मेट

क्वालिफाइंग फॉर्मेट की बात करें तो इसमें कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। जीतने वाली टीमों को वनडे वर्ल्ड कप में सीधे एंट्री मिलेगी, जिसमें 14 देश हिस्सा लेंगे। दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें सबसे पहले 'सुपर सीरीज़' में हिस्सा लेंगी। इस सीरीज़ में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम 12 टीमों की लाइनअप में शामिल होगी और वर्ल्ड कप के लिए आगे बढ़ेगी। असल में, सुपर सीरीज़ को ही वर्ल्ड कप इवेंट का हिस्सा माना जाएगा।

रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमों को फायदा

आईसीसी ने तय किया है कि 30 सितंबर 2026 तक आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप 8 में रहने वाली टीमें सीधे क्वालिफाई करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। मेज़बान के तौर पर साउथ अफ्रीका और ज़िम्बाब्वे ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। इसका मतलब है कि कुल 10 टीमें मुकाबला करेंगी। सबसे कम रैंकिंग वाली दो टीमें, क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 स्टैंडिंग की टॉप चार टीमें और वर्ल्ड कप क्वालिफायर प्ले-ऑफ से चार टीमें।

खबर संक्षेप

15 अक्टूबर से डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप

नई दिल्ली। शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि इसमें रोरी मैकलरॉय और गत चैंपियन टॉमी फ्लीटवुड जैसे दिग्गज भी भाग लेंगे। चार मिलियन डॉलर ईनामी राशि का यह टूर्नामेंट 'रेस टू दुबई' के 9 टूर्नामेंटों में आठवां है। डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप दुबई में नवंबर में होगी। शर्मा और लाहिड़ी के साथ इसमें गत ओपन चैंपियन रियान फॉक्स, शेन लॉरी, जस्टिन रोस, यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप स्टार विक्टर होवलैंड भी नजर आएंगे।

एसए20 : सनराइजर्स से जुड़े मार्श, सुपर जाइंट्स में कुरेन

जोहानिसबर्ग। आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श एसए20 में पदार्पण करके तीन बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से जुड़ेंगे जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे।

भारतीय टीम ने 1932 में खेला था पहला टेस्ट

ऐतिहासिक मैच : 15 अगस्त को 600वां टेस्ट खेलेगी टीम इंडिया

गिल की कप्तानी में जुड़ेगा एक और नया अध्याय

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच चुकी है। जब 15 अगस्त को दोनों टीमें पहले टेस्ट के लिए आमने सामने होंगी तो वो एक ऐतिहासिक मैच बन जाएगा।

दुनिया की केवल दो ही टीमें ऐसी हैं, जो अब तक 600 टेस्ट मैच खेल पाई हैं, अब उसमें भारत का नाम भी शामिल हो जाएगा। ये एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो भारत की आजादी की वर्षगांठ के दिन मिलेगी। इस बीच टीम इंडिया श्रीलंका पहुंच चुकी है और जल्द ही तैयारी भी शुरू हो जाएगी। भारतीय टीम अब तक 599 टेस्ट मैच खेल चुकी है और श्रीलंका के खिलाफ गॉल में होने वाला मुकाबला 600वां मैच होगा।

आजादी से पहले खेल लिया था पहला टेस्ट

भारत ने अपना पहला टेस्ट आजादी से पहले ही खेल लिया था। पहला मुकाबला 1932 में खेला गया था। तब भारत के कप्तान सीके नायडू हुआ करते थे, तब से लेकर अब तक इतना लंबा सफर तय किया गया है, जोकि अपने आप में ऐतिहासिक रहा है। इस बीच 1932 से लेकर अभी तक कई टेस्ट कप्तान रहे, लेकिन अब शुभमन गिल की कप्तानी में एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है।

सारांश जैन

आकिब नबी

इंग्लैंड ने खेले सबसे ज्यादा टेस्ट, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया

अब तक केवल दो ही टीमें ऐसी हैं, जो 600 टेस्ट का आंकड़ा पार कर चुकी हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट तो इंग्लैंड ने ही खेले हैं। टीम अब तक 1097 टेस्ट खेल चुकी है। उसकी बराबरी करना किसी के लिए भी करीब करीब असंभव टाइप का है। इंग्लैंड ने अपना पहला टेस्ट 1877 में खेला था। इसके बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है। ऑस्ट्रेलिया ने भी अपना पहला टेस्ट साल 1877 में ही खेला था। तब से लेकर अब तक टीम 882 टेस्ट खेल चुकी है।

599 टेस्ट खेल चुकी है टीम इंडिया

भारत ने अपना पहला टेस्ट साल 1932 में खेला था। तब से लेकर अब तक टीम 599 टेस्ट खेल चुकी है। इस दौरान भारत ने 186 टेस्ट मैच जीते हैं और 188 में हार का सामना करना पड़ा है। 224 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। केवल एक ही मैच ऐसा हुआ, जो टाई पर समाप्त हुआ है। 15 अगस्त को भारत और श्रीलंका की टीमें भिड़ेंगी तो रोमांच अपने चरम पर होगा। ये सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी।

श्रीलंका को 2-0 से हराने से भारत को होगा फायदा

श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में 5वें स्थान पर है। भारत ने अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में कुल 9 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे 4 में जीत मिली है जबकि 4 मैचों में उसे हार मिली है और एक मैच ड्रॉ रहा है साथ ही भारत की जीत प्रतिशत 48.15 है। अब भारत अगर श्रीलंका को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हरा देता है तो टीम इंडिया की जीत प्रतिशत 57.58 हो जाएगी और वो 5वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच जाएगी।

आईसीसी रैंकिंग

शुभमन-इशान टॉप पर, बाबर आजम को फायदा, वैभव टॉप 50 में बरकरार

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने अपनी पुरुष क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इन दिनों दुनियाभर में जारी इंटरनेशनल क्रिकेट के मुताबिक पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम को टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में चार स्थान का फायदा हुआ है। जबकि टी20 बल्लेबाजों में इशान किशन और वनडे बल्लेबाजों में शुभमन गिल टॉप पर हैं। वहीं टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी 48वें स्थान पर टॉप 50 में बने हुए हैं।

नीदरलैंड्स के एडवर्ड्स ने लगाई चार स्थान की छलांग

जारी ताजा रैंकिंग में नीदरलैंड्स के विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने वनडे के बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग से 38वें से 34वें स्थान पर जगह बनाई है। जबकि टेस्ट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में बाबर आजम 19वें से 15वें स्थान पर आ गए हैं। दुनिया में इस वक्त टी20 इंटरनेशनल हो नहीं रहा है, इसी कारण उसमें बदलाव नहीं हुए हैं। इशान किशन नंबर 1 बल्लेबाज हैं और राशिद खान गेंदबाजों में नंबर 1 पर काबिज हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भारतीय अव्वल

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में नीदरलैंड्स के ही रुलोफ वान डर मर्व 11 स्थान की छलांग के साथ 74वें से 63वें स्थान पर आ गए हैं। जबकि टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर हैं। वहीं कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा (14वें, 15वें, 16वें क्रमशः) को श्रीलंका सीरीज से पहले एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास 9 स्थान की छलांग के साथ 17वें स्थान पर आ गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में रविंद्र जडेजा टॉप पर हैं। अक्षर पटेल को दो स्थान का नुकसान हुआ और वह 10वें से 12वें पर खिसक गए।

पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी 4 भारतीय

लंदन। दीक्षा डागर और अदिति अशोक समेत 4 भारतीय गोल्फर 20 लाख डॉलर ईनामी राशि के लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) की पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में भाग लेंगी। दीक्षा दो बार एलईटी खिताब जीत चुकी हैं । वह लगातार शीर्ष दस में रही हैं और फिलहाल 'आर्डर आफ मेरिट' में आठवें स्थान पर है। वह 2023 में शीर्ष तीन में रही थी। पांच बार की एलईटी विजेता अदिति अभी तक एलपीजीए टूर पर जीत दर्ज नहीं कर सकी हैं। उनके अलावा अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी, जिसमें 120 खिलाड़ी नजर आएंगे।

सिनसिनाटी ओपन नहीं खेलेंगे अल्काराज

सिनसिनाटी। दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाईं कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए। यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है। स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे। यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है। टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। अल्काराज का पिछला टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था।

आज से रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप

नई दिल्ली। विक्रमादित्य चौफला की अगुवाई में भारतीय टीम रॉटरडम में गुरुवार से शुरू हो रही रैकेटलॉन विश्व चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने उतरेगी। भारत की छह सदस्यीय टीम का ऐलान रैकेटलॉन भारत खेल संघ ने किया, जिसमें चौफला, प्रशांत सेन, मोनिश मशरुवाला, अक्षय गांधी, राघव जटिया और निधि तिवारी शामिल हैं।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर, जिला बलरामपुर रा.गंज (छ.ग.)
cmhobalrampur@gmail.com

क्रमांक/1935/अंधत्व/2026 बलरामपुर दिनांक 05/08/2026

निविदा निरस्तीकरण की सूचना

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि पत्र क्रमांक / 1649/अंधत्व/2026-27 बलरामपुर, दिनॉक 13.07.2026 के पत्रानुसार राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर में जिला अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं एवं वृद्धजनों के प्रेसबायोपिक चश्मा की आवश्यकता है। जिसके लिए निविदा का प्रकाशन किया गया था। जिस हेतु निविदा प्रक्रिया के फार्म में कुछ त्रुटि होने के कारण निविदा को निरस्त किया गया है। निविदा निरस्त की जानकारी बलरामपुर जिले के वेबसाईट www.balrampur.gov.in में अपलोड करने का कष्ट करें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
बलरामपुर जिला बलरामपुर रा.गंज (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् खरसिया जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/676/न.पा.प./लो.नि.वि / 2026-27 खरसिया, दिनांक 5/8/26

।। रूची की अभिव्यक्ति सूचना (EOI) (द्वितीय) ।।

नगर पालिका परिषद् खीरसिया क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 18 स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में (स्वीमिंग पुल, इनडोर गेम्स, जिम, बाक्स क्रिकेट, कैन्टीन, पार्किंग, बॉलीवाल, बास्केटबाल एवं अन्य) का नियमित रूप से रख रखाव के साथ-साथ संचालन हेतु नगर पालिका परिषद् खरसिया की निर्धारित किरायेदारी आबंटन शर्तों के तहत 01 वर्ष की किरायेदारी पर उपलब्ध कराने हेतु राशि रू. 2000000.00 (बीस लाख रूपये) वार्षिक किराया राशि पर उच्चतम बोली किराये की रूचि की अभिव्यक्ति बंद लिफाफे में राशि 500/-रू. प्रस्तुतीकरण शुल्क के साथ नगर पालिका परिषद खरसिया में कार्यालयीन समय पर दिनांक 21/08/26 समय दोपहर 3.00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं, प्राप्त रूचि की अभिव्यक्ति दिनांक 21/08/26 समय शाम 4:00 बजे खोले जायेंगे।

क्र	कार्य का विवरण	न्यूनतम ऑफर राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि एफ.डी.आर/टी.डी.आर के रुप में
1	वार्ड क्रमांक 18 स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में (स्वीमिंग पुल, इनडोर गेम्स, जिम, बाक्स क्रिकेट, कैन्टीन, पार्किंग, बॉलीवाल, बास्केटबाल एवं अन्य) का संचालन कार्य।	20.00	50000.00

उपरोक्त कार्य की ऑफर की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत ऑफर विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् खरसिया

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 2028/न.पा.नि./ 2026 रायगढ़ दिनाँक 05/08/26

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	196871	नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रान्तर्गत कोसाबाड़ी केन्द्र के पास ऑक्सीजोन निर्माण कार्य। (05 वर्ष के संधारण सहित) (द्वितीय निविदा)	933.41	20.08.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, न.पा.नि., रायगढ़

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE ADDL.CHIEF ENGINEER (S&P) DSPM TPS, KORBA EAST, DISTT: KORBA, PIN: 495677 (C.G.)
(An ISO: 9001-2015, ISO: 14001-2015, OHSMS ISO: 45001-2018, certified power station)
PHONE NO. -(07759) 228501, TELEFAX -228501 Email: sepnw.dspmke@cspc.co.in

TENDER NOTICE NO.3256/26

Bids are invited by the undersigned from Experienced Firms/Contractor for the work as mentioned below for DSPM TPS, CSPGCL, Korba (East):-

S. N.	Tender Specification No.	Rfx No. (E-Tender No.)	Particulars	Qty	Last Date/ Time of submission of bid.	E.M.D. (Rs)	Tender Cost (Rs)
1.	16-06/ DSPM TPS/ S&P/ T-3337/ 26	8100053406	Hiring of Vehicle (Car) for SE (Proc.-I) & SE (Cont.-I) at DSPM TPS, CSPGCL, Korba (East) along with fuel, lubricants, wages of driver, vehicle maintenance etc.	As per schedule	25.08.2026 up to 15:30 Hrs.	4,670/-	590/- (including GST@18%)

NOTES: -For more details, please visit our website at: –http://www.cspc.co.in > tenders. Any amendment/ corrigendum, if required, will be displayed on our website only.

Superintending Engineer (Contract)
// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION // DSPM TPS: CSPGCL KORBA EAST

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821

NO.021-1710/PUBLICATION/ 3715 Korba West, dtd. 04.08.2026

TENDER NOTICE No. 356/2026. (e-Bidding)

Online tenders are invited from Experienced & Prospective Bidders for the following Work:

S. No	Tender No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date and time of submission
1.	RFX No. 8100053189	Deployment of SUV for S.E. (AH-II & S.E. (Eff.), 1x500 MW, HTPS, Korba West.	590/-	6,360/-	24.08.2026
2.	RFX No. 8100053288	Work for Assistance services in day to day office computer work at O/o ACE (FM), HTPS, Korba West.	590/-	7,620/-	25.08.2026
3.	RFX No. 8100053310	Procurement of different types of PU fitting, Tubes and SS connectors for 4x210 MW & 1x500 MW, HTPS, Korba West.	590/-	13,955/-	24.08.2026
4.	RFX No. 8100053364	Work for Assistance services in day to day office work at O/o ACE (FM), HTPS, KWB.	590/-	6,422/-	24.08.2026

NOTE: - 1.Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website **https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal. .2. Quantity as per tender schedule.3.**Any Extension/ Corrigendum / Amendments if required, shall be displayed on our websites only.

SUPERINTENDING ENGINEER (C)
SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P)HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि बैंक ऑफ बड़ौदा, अम्बिकापुर शाखा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ.ग. द्वारा निम्नलिखित संपत्ति, जो श्री बजरंग अग्रवाल पिता स्वर्गीय जगदीश राम अग्रवाल , निवासी पुनम लॉज के पास, बस स्टैंड, अंबिकापुर , थाना एवं तहसील- अंबिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.) द्वारा आवेदित ऋण/क्रेडिट सुविधा के लिए प्रतिभूति के रूप में स्वीकार करने का प्रस्ताव हैं।

यदि किसी व्यक्ति/पक्ष को निम्नलिखित संपत्ति पर कोई अधिकार/स्वामित्व/हित/दावा हैं, तो वे कृपया 10 (दस) दिनों के भीतर आवश्यक दस्तावेज के साथ में बैंक में सम्पर्क करें, तथा अपना दावा प्रस्तुत करें।

यदि निर्धारित समयावधि के भीतर कोई आपत्ति/ दावा प्राप्त नहीं होता हैं, तो यह माना जाएगा कि निम्नलिखित संपत्ति पर कोई भार/दावा/अड़चन नहीं हैं और बैंक संपत्ति को बंधक रखने की प्रक्रिया आगे बढ़ायेगा।

संपत्ति का विवरण. : संपत्ति सर्वे/खसरा नं. - 132/13 , क्षेत्रफल - 0.064 हेक्टेयर (डीवी क्षेत्रफल- 0.064 हेक्टेयर) स्थित ग्राम-भगवानपुरकला, प.ह. नंबर 18, आरएनएम-अंबिकापुर-5, तहसील-अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.), हैं जो श्री बजरंग अग्रवाल पिता स्वर्गीय जगदीश राम अग्रवाल, निवासी पुनम लॉज के पास, बस स्टैंड,अंबिकापुर, थाना एवं तहसील- अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) के नाम पर हैं. विक्रय विलेख के अनुसार सीमाएं : उत्तर : विक्रेता का भूखंड, दक्षिण : एनएच - 43 सड़क, पूर्व : विक्रेता का भूखंड, पश्चिम: राइस मिल रोड.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा, अम्बिकापुर शाखा
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ.ग.
मो. नं. 9752410731

गुलशेर खान,अधिवक्ता
पता- सामलया मंदिर, मोमिनपुरा, अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा, छ.ग.,
मो. नं. 9425256365, 7747825779

homefirst We'll take you home
Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना

आप, निम्नलिखित ऋणधारक, ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण लिया है और आप ही ने ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह-ऋणधारक/जमानतदार के रूप में कार्य किया है। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत **03-08-2026** को आपके ऋण खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, ने सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के साथ धारा 13(13) के तहत आपके द्वारा दिए गए पते पर मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस **03-08-2026** को जारी किए गए हैं और इनमें कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। अत:, वर्तमान प्रकाशन एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (2) के प्रावधान के अनुसार और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार नोटिस देने के लिए किया गया है:

क्र. सं.	खाता, ऋणधारक(ओं) व जमानतदार(ओं) का नाम और पता	लागू की जाने वाली सुरक्षा का विवरण	मांग नोटिस की तिथि तक कुल बकाया राशि, ब्याज और अन्य व्यय सहित (रुपये में)
1.	अशोक कुमार साहू, हर्ष कुमार साहू	प्लॉट-ख नं.-37/62 भाग मौजा-सैदा महाल नं.7 प.ह.नं.41, रा.नि.मं. अमसेना, विकास खंड तखतपुर तहसील-सकरी, जिला-बिलासपुर, (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495003। चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	10,06,587
2.	मनीष कुमार बघेल, सरिता बघेल	प्लॉट-ख.नं.365/2, मौजा मुढ़ीपार, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व- विक्रेता की भूमि, पश्चिम-20 फीट निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि।	9,59,166
3.	मोहन नामदेव, गंगा नामदेव	मकान-126/69, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं.30, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तह. बिल्हा व जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम- नगमा परवीन का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- अश्विनी त्रिलोक का प्लॉट।	8,30,654
4.	नीलम खुदशाह, सचिन कुमार खुदशाह	प्लॉट-ख.नं.519/19, मौजा तिलसरा, प.ह.नं.09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-पाल का प्लॉट, उत्तर- बलराम का प्लॉट, दक्षिण- अजय यादव का प्लॉट।	10,51,185

आपको इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को ब्याज और लागत सहित उपर्युक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत उधारकर्ताओं, बंधककर्ताओं और गारंटरों की सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करेगी, जिसमें उनकी सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करना भी शामिल है। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को प्राप्त शक्तियों में शामिल हैं: (1) ऋणधारकों/जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करने की शक्ति, जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को मुक्त करने के लिए पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है; (2) सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना, जिसमें पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है, और सुरक्षित संपत्तियों को वसूल करना; और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा सुरक्षित संपत्तियों का कोई भी हस्तांतरण, हस्तांतरित सुरक्षित संपत्तियों के सभी अधिकारों और संबंधों में उसी प्रकार निहित होगा जैसे कि हस्तांतरण आपके द्वारा किया गया हो।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, ऊपर उल्लिखित और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई किसी भी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री, पट्टे या अन्य किसी भी तरीके से (आपके व्यवसाय के सामान्य संचालन के अलावा) हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: 06-08-2026

हस्ताक्षरकर्ता: अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

सहारा रेगिस्तान में कभी बहती थीं नदियां, रहते थे हिप्पो

नई दिल्ली। सहारा रेगिस्तान का जिक्र होते ही दिमाग में बेहिसाब रेत, झुलसा देने वाली गर्मी और धरती की सबसे मुश्किल जगहों में से एक का नजारा दिखता है। लेकिन, भू-विज्ञान कुछ और ही कहानी बताता है। रेत के टीलों के नीचे पुरानी नदियों, विशाल झीलों और ऐसे इकोसिस्टम के निशान दबे हैं जहां कभी दरियाई घोड़े, मगरमच्छ और फलते-फूलते इंसानी समुदाय रहा करते थे।

वैज्ञानिकों ने अब पता लगा लिया है कि ये बड़े बदलाव अचानक नहीं हुए, बल्कि ये कुदरती जलवायु चक्र का हिस्सा थे, जिसने लाखों सालों से उत्तरी अफ्रीका का रूप बदला है। नई रिसर्च और सैटेलाइट से मिली जानकारियों और समुद्र की तलछट में सुरक्षित सबूतों से पता चल रहा है कि दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान बार-बार हरा-भरा क्यों हुआ, वे उपजाऊ इलाके हजारों सालों तक कैसे बने रहे और अगली बार 'ग्रीन सहारा' कब आएगा।

20 हजार सालों में कैसे हरा-भरा हो जाता है सहारा रेगिस्तान?

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि हर 20 हजार साल में सहारा रेगिस्तान बदल जाता है। अलग-अलग रिपोर्ट्स और एक रिपोर्ट से पता चलता है कि सहारा में ज्यादा बारिश वाले दौर अक्सर लगभग हर

20,000 साल में लौटते हैं। यह आंकड़ा पृथ्वी की एक लंबे समय तक चलने वाली गति से आता है जिसे 'एक्सियल प्रीसेशन' कहा जाता है। यह ग्रह की घूमने वाली धुरी की दिशा में धीरे-धीरे होने वाला बदलाव है। जैसे-जैसे पृथ्वी की स्थिति धीरे-धीरे बदलती है सूरज के चारों ओर ग्रह की स्थिति के हिसाब से मौसम का समय भी बदलता है। कुछ खास समय पर उत्तरी गोलार्ध में गर्मियों के दौरान तेज धूप मिलती है क्योंकि ये तब होती हैं जब पृथ्वी सूरज के थोड़ी ज्यादा करीब होती है। उस अतिरिक्त गर्मी का असर सिर्फ तापमान तक ही सीमित नहीं रहता। उत्तरी अफ्रीका में जमीन के गर्म होने से आस-पास के महासागरों के मुकाबले ज्यादा बड़ा अंतर पैदा होता है।

20 हजार वर्ष में फिर से बनने लगती हैं झीलें

इससे अफ्रीकी गर्मियों का मानसून मजबूत होता है जिससे नमी वाली हवा आज की तुलना में कहीं ज्यादा उत्तर तक पहुंच पाती है। बारिश उन इलाकों तक पहुंचती है जो अभी लगभग पूरी तरह सूखे हैं जिससे सहारा के बड़े हिस्सों में पेड़-पौधे, नदियां और झीलें बनने लगती हैं। बारिश में शुरुआती बढ़ोतरी पूरी कहानी का बस एक हिस्सा है। जब पौधे फैलने लगते हैं तो वे अपने आस-पास के माहौल को बदलने लगते हैं। रेगिस्तान की हल्की रेत की तुलना में पेड़-पौधे जमीन को गहरा रंग देते हैं जिससे सतह सूरज की रोशनी को वापस भेजने के बजाय उसे ज्यादा सोख पाती है। पौधों की परत मिट्टी में नमी बनाए रखने में भी मदद करती है और हवा में धूल के कण कम पहुंचते हैं। झीलें और आर्द्रभूमि वाष्पीकरण के जरिए और नमी जोड़ते हैं जिससे ऐसे हालात बनते हैं जिनमें और ज्यादा बारिश हो सकती है और फिर नई झीलों का निर्माण होने लगता है।

क्या समंदर से निकले एलियंस, ब्रिटेन के समुद्री तटों पर बहकर आए सैकड़ों नीले रहस्यमयी जीव

लंदन। अगर आप समंदर किनारे घूम रहे हों और अचानक रेत पर नीले रंग के सैकड़ों अजीब से जीव बिखरे दिखें, तो एक पल को तो लगेगा ही कि शायद कोई एलियन उतर आया है। कुछ ऐसा ही नजारा आजकल ब्रिटेन के खूबसूरत समुद्र तटों पर देखने को मिल रहा है। कमब्रिया के सेंट बीज बीच और वेल्स के तटों पर अचानक से सैकड़ों चमकीले नीले जीव पानी के साथ बहकर किनारे पर आ गए हैं। पहली नजर में लोग इन्हें जेलीफिश समझ रहे थे, लेकिन जब असलियत सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया।

अद्भुत था नजारा

रेत पर बिखरी इन नीली सुंदर आकृतियों को देखकर लोग तस्वीरें लेने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। स्थानीय पर्यटक लुईस निकोलसन ने बताया, वहां सैकड़ों नीले जीव बिखरे थे, जो बेहद खूबसूरत लग रहे थे। इतनी धूप भरे दिन में यह एक अद्भुत नजारा था।

जेलीफिश नहीं, तो फिर क्या हैं ये?

वैज्ञानिक भाषा में इन्हें 'वेलेला वेलेला' और आम भाषा में 'बाय-द-विंड सेलर्स' कहा जाता है। देखने में यह भले ही एक अकेला जीव लगे, लेकिन असल में यह छोटे-छोटे कई जीवों का एक समूह होता है, जो मिलकर एक साथ काम करते हैं। इनका आकार लगभग 2 इंच होता है। इनके शरीर के ऊपर एक छोटा सा पारदर्शी पाल बना होता है। हवा जब इस पाल से टकराती है, तो ये किसी छोटी नाव की तरह पानी की सतह पर तैरते रहते हैं।

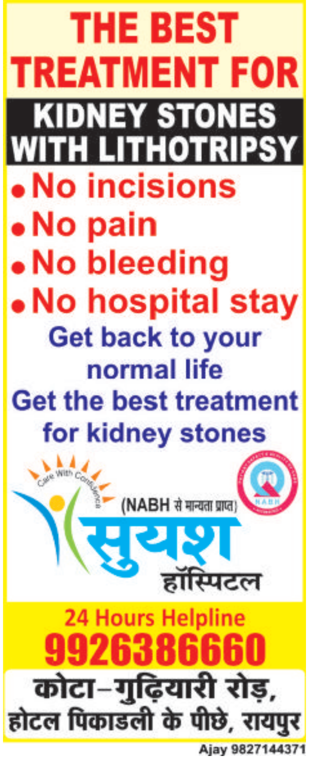

झील में धीरे-धीरे समाते दिखे 33 फीट लंबे दो विशाल जीव

एडिनबर्ग। स्कॉटलैंड की मशहूर झील लॉक नेस इन दिनों चर्चा में, जिसके पीछे की वजह हैं ऐसे रहस्यमयी जीव, जिनके दिखने से इन दिनों लोगों में चर्चा का माहौल गर्म है। दरअसल, एक आयरिश हंटर ने लाइव वेबकैम के जरिए दो बेहद विशाल

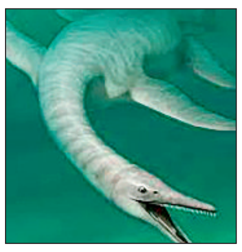

रहस्यमयी जीवों को पानी में धीरे-धीरे समाते देखा है। ये दावा ऐसे वक्त में सामने आया है जब उस एरिया में रहस्यमयी जीवों की हलचल पहले से काफी बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इयोन फागन नाम के एक रहस्यमयी जीव हंटर ने आयरलैंड के काउंटी डोनेगल में अपने घर पर बैठे-बैठे लॉक नेस के लाइव वेबकैम पर कुछ ऐसा देख लिया, जिसने लोगों के होश उड़ा दिए हैं। 9 जुलाई की दोपहर करीब 3.29 बजे उन्हें पानी के अंदर दो विशाल आकार वाली चीज तैरती हुई नजर आईं।

कॉमन जलीय जीव से बहुत ज्यादा बड़े थे

यूं तो लॉक नेस झील में सील जैसे जीव देखने को मिल जाते हैं, जो करीब आठ फीट तक लंबे होते हैं। इयोन के मुताबिक ये दोनों जीव किसी भी कॉमन जलीय जीव से बहुत ज्यादा बड़े थे। उनका मानना है कि इतनी विशालकाय प्रजाति का इतने सालों से इंसान की नजरों से बचकर झील की गहराई में रहना अपने आप में बहुत बड़ा रहस्य है। जब ये दोनों जीव दिखाई दे रहे थे, उस वक्त मौसम थोड़ा बादलों वाला था और हवा से पानी में हल्की लहरें उठ रही थीं। बताया जा रहा है कि, हाल के दिनों में इस इलाके से रहस्यमयी शेप्स को देखे जाने की कई खबरें सामने आई हैं।

Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick Start variant in Chhattisgarh. * This exchange scheme is valid across India till 31st March, 2027 and is available exclusively through authorised TVS main dealers (AMDs) and authorised TVS dealers (ADs). ^ Colours available in TVS XL100 Heavy Duty Alloy variant. + Based on internal test conditions. As compared to BS-IV models. T&C apply.

FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com मुख्य अधिकृत डीलर – बिलासपुर – तिफरा : चंद्रा मोटर्स, मो. 9109119171, सरकण्ड : बिलासपुर टीवीएस, मो. 8359061000, चंद्रा मोटर्स, मो. 8962006914, मुंगेली : बिलासपुर टीवीएस, मो. 8357807000, अंबिकापुर : श्री महामाया ऑटो एजेंसी, मो. 9301307270, श्री राम मोटर्स, मो. 9171804284, बैकुंठपुर : अग्रवाल मोटर्स एजेंसी एलएलपी, मो. 6268651046, बलौदाबाजार : कनिका आटोमोबाइल्स प्रा. लिमिटेड, मो. 8979428844, बेमेतरा : श्री अरिहंत ऑटोमोटिव (ओपीसी) प्रा. लिमिटेड, मो. 8827790000, चंपा : नंदिका ऑटोव्हील्स प्राइवेटलिमिटेड, मो. 9201591180, 9201591181, जांजगीर : अपराजिता सर्विसेज, मो. 9131457200, कोरबा : तुलसी ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड, मो. 9770100007, श्रीराम व्हीकल्स एलएलपी, मो. 7987237046, रायगढ़ : अपराजिता सर्विसेज, मो. 9425251711, सूरजपुर : जय दुर्गा मोटर्स, मो. 9340355399. अधिकृत डीलर – लैलुंगा : श्री श्याम सेल्स, मो. 9424188181, धरमजयगढ़ : अर्जुन ऑटोमोबाइल, मो 7415553407, कुसमी : सांई ऑटो, मो. 9691065198, राजपुर : मंगलम मोटर्स, मो. 7999592521, बलरामपुर : अभ्यास ऑटोमोबाइल्स, मो. 9977880870, वाड्रफनगर : सुभाष मोटर्स, मो. 7509919525, तपकरा : सोनू ऑटोमोबाइल्स, मो. 9755248064, कुनकुरी : दीपक मोटर्स, मो. 8839304665, जशपुरनगर : शिव शक्ति ऑटो, मो. 9302737741, बिश्रामपुर : गोपाल कृष्णा मोटर्स, मो. 7566290727, प्रेमनगर : राजेंद्र ऑटोमोबाइल्स, मो. 9039291161, श्री नगर : सुमित ऑटो, मो. 8817292750, सिगमा : लक्ष्मी मोटर्स, मो. 9406122234, पटना : अनन्या ऑटो एजेंसी, मो. 7898880005, मनेन्द्रगढ़ : श्री राम सेल्स, मो. 9406462666, प्रतापपुर : टाइटन ऑटोमोबाइल्स, मो. 9753373609, रामानुजगंज : गणपति ऑटोमोबाइल्स, मो. 8878214520, रैंगाखार : गणपति ऑटोमोबाइल्स, मो. 9981893829, सीतापुर : शंकर ऑटोमोबाइल्स, मो. 8889272331, बतौली : जे.के. ऑटोमोबाइल्स, मो. 8839756338, जरही : मां महामाया ऑटो, मो. 9893422986, बाराद्वार : मां शारदा ऑटो एजेंसी, मो. 8871871872, सारंगढ़ : श्री राम ऑटोमोबाइल्स, मो. 9302924696, पेंड्रा : सुमित मोटर्स, मो. 9406007324, गिधौरी : प्रियदर्शी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9770096600, तखतपुर : कौशिक ऑटो, मो. 7898677598, गौरेला : मित्तल मोटर्स, मो. 9424153222, शिवरीनारायण : प्रियदर्शी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9770096600, उसलापुर : चंद्रा मोटर्स, मो. 8982438075, खाट्घोरा : रुचि ऑटो, मो. 9893329726, मस्तूरी : श्री कबीर मोटर्स, मो. 8770386492, अकलतरा : भवानी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9425230512, शक्ति : जिंदल ऑटो, मो. 9329415747, हरदीबाजार : दुर्गेश एजेंसी, मो. 9977562537, पाली : जीत एजेंसी, मो. 9691548018, भाटापारा : इंडियन मोटर्स मो. 9302622777, पलारी : कनिका मोटर्स, मो. 8979428844, 6268360105, कांसाबेल : अंजना मोटर्स, मो. 7024312738, लटोरी : जय बालाजी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9575401953, नवागढ़ : श्री एम.के. मोटर्स, मो. 8120007666, देवकर : सपाहा मोटर्स, मो. 9179534363, राहौद : नंदिका ऑटो व्हील्स, मो. 9201591188, पामगढ़ : आर.के. मोटर्स, मो. 9522544401 थानखम्हरिया : अरिहंत ऑटो, मो. 9993179413, डिंडो : अंसारी मोटर्स, मो. 7697146786, खरसिया : वंश ऑटो एजेंसी, मो. 9179814142, सरायपाली : श्री मंगलम मोटर्स, मो. 7828276101, बेरला : आर के मोटर, मो. 8085403067, चंद्रपुर : गणपति मोटर्स, मो. 7225851900, लिमतारा : मां बम्लेश्वरी, मो. 7683839595, लखनपुर : श्रीराम मोटर्स, मो. 9399743838, जैजैपुर : सिद्धार्थ मोटर्स, मो. 8462045291, ब्रम्हांडीह : बालाजी ऑटो, मो. 8305139373, बोड़ला : राहुल मोटर्स, मो. 9575991111, कसडोल : साई मोटर्स, मो. 9424222722, खोखरा : राजेंद्र एजेंसी, मो. 9131198070.

dentsu/hb bil/05/26

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com